@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 18 मार्च 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 108 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लोकसभा चुनाव के ऐलान के अगले दिन, मुंबई में कांग्रेस का ग्रैंडशो; अखिलेश और स्टालिन भी रहेंगे

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, सपा मुखिया अखिलेश यादव, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी भी रहेंगी।

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज समापन है। मणिपुर से शुरू हुई करीब 6,700 किलोमीटर लंबी यात्रा के आखिरी दिन आज कांग्रेस के कई सहयोगी दलों के नेता भी मौजूद रहेंगे। लोकसभा चुनाव के ऐलान के अगले ही दिन यह कार्यक्रम होने जा रहा है, जिसमें कांग्रेस विपक्षी एकता के साथ दम दिखाना चाहती है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, सपा मुखिया अखिलेश यादव, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के भी अपने बेटे आदित्य संग मौजूद रहने की संभावना है। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भी इस कार्यक्रम में रहेंगे। यही नहीं दिल्ली से सोनिया गांधी भी इस मौके पर पहुंच रही है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस दौरान वह सहयोगी दलों के

नेताओं से भी मुलाकात करेंगी। प्रियंका गांधी शनिवार को ही मुंबई पहुंच गई हैं और कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा ले रही हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन होना है। हम इस अवसर के लिए बहुत खुश हैं। राहुल गांधी ने यह यात्रा इसलिए की है क्योंकि देश की सच्चाई को समझ सकें। यह पूरी यात्रा जनता को जागरूक करने के लिए है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूर्वी भारत से पश्चिम तक के लिए निकाली गई थी। मणिपुर के इंफाल से 14 जनवरी को इसकी शुरुआत हुई थी। इसके तहत 15 राज्यों के कुल 100 लोकसभा सीटों को कवर किया गया था।

इन राज्यों में असम, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र शामिल थे। इससे पहले भी राहुल गांधी ने एक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। यह यात्रा कन्याकुमारी से श्रीनगर के लिए निकाली गई थी। यही नहीं इस यात्रा के बाद जब कांग्रेस को कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में जीत मिली तो पार्टी ने इसे ही क्रेडिट दिया था।

कांग्रेस नहीं होती तो आजादी नहीं मिलती, बीजेपी नहीं होती तो दंगे नहीं होते- संजय राउत

नई दिल्ली. कांग्रेस नहीं होती तो देश को आजादी नहीं मिलती, कांग्रेस नहीं होती तो देश को नेतृत्व नहीं मिलता, पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक ज लोकसभा चुनाव से पहले ये बयान दिया है उद्धव ठाकरे (यूटीबी) गुट के शिवसेना सांसद संजय राउत ने. राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो पाकिस्तान के दो टुकड़े नहीं होते. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान विज्ञान, और टेक्नोलॉजी में देश ने जो प्रगति की है ये सब कांग्रेस की वजह से ही हुआ है.

दरअसल बीजेपी की तरफ से एक किताब लॉन्च की जा रही जिसका शीर्षक है 'कांग्रेस नहीं होती तो क्या होता' इसके बारे में जब मीडिया ने संजय राउत से सवाल किया तो उन्होंने देश में कांग्रेस के योगदान के बारे में बताया और कांग्रेस की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि अगर देश में कांग्रेस नहीं होती तो ये देश अखंड नहीं रहता. बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी बहुत सी बातें हैं जो बीजेपी के लोगों के समझ से ऊपर हैं. ऐसे में वो लोग ये बातें नहीं समझेंगे.

'बीजेपी देश को भिखारी बनाने का काम कर रही है'

शिवसेना सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि बीजेपी देश के बारे में नहीं सोचती. बल्कि वो उद्योगपतियों और व्यापारियों के बारे में सोचती है. पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए राउत ने कहा कि जिसका राजा व्यापारी होता है उसकी प्रजा भिखारी होती है.

ऐसे में बीजेपी आज देश को भिखारी बनाने का काम कर रही है. राउत ने कहा कि बीजेपी को कांग्रेस और शिवसेना जैसी पार्टियों की विचारधारा और उनकी भूमिका को समझ लेना चाहिए.

मैं करियर बनाने नहीं आया, PM पद की रेस पर बोले गडकरी; फडणवीस पर भी खुलकर बात

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के संबंधों को लेकर खूब चर्चा होती है। उन्होंने तमाम चर्चाओं पर खुद ही जवाब दिया है। उन्होंने बताया है कि पीएम मोदी और फडणवीस के साथ उनके कैसे संबंध हैं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार बनने की रेस में शामिल होने की अटकलों पर भी विराम लगा दिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में गडकरी ने फडणवीस के साथ मतभेदों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह फडणवीस के गुरु थे। साथ ही गडकरी ने यह भी कहा कि वह राजनीति में करियर बनाने के लिए नहीं आए हैं। वह एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता और आरएसएस स्वयंसेवक बना रहना पसंद करते हैं।

पीएम मोदी के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने काफी अच्छा काम किया था। 2014 में उन्हें पीएम कैंडिडेट घोषित करने के कारण बीजेपी को 2014 का चुनाव जीतने में मदद मिली थी। 2019 में भी हमने उनके नेतृत्व में अपना शानदार प्रदर्शन दोहराया। आज दस साल बाद हम यह कह पाने की स्थिति में हैं कि भाजपा ने एक दशक में जो हासिल किया, कांग्रेस पिछले 60-65 वर्षों में भी नहीं कर सकी। देश की जनता ने मोदी सरकार पर भरोसा जताया है। एक बार फिर रिकॉर्ड अंतर से हमें चुनेंगे। गडकरी ने कहा कि हम निश्चित तौर पर 400 का आंकड़ा पार करेंगे।

भाजपा संसदीय बोर्ड से हटाने के सवाल पर क्या बोले गडकरी? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि राजनीति सामाजिक-आर्थिक सुधारों का एक साधन है। इसलिए मेरा पदों को लेकर कोई आकर्षण नहीं है। पीएम मोदी के साथ मेरे रिश्ते बहुत मधुर हैं।

फडणवीस के साथ कैसा है रिश्ता?

इस सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि ऐसी अटकलें लगती हैं कि फडणवीस के साथ कुछ मुद्दों पर एकमत नहीं हैं। मैंने फडणवीस के राजनीतिक प्रवेश की पहल उनके पिता से मिलने के बाद की थी।

बीच समंदर, 35 का सरेंडर; कैसे समुद्री डाकुओं के लिए काल बन गई भारतीय नौसेना

तीन महीने पहले हाइजैक हुए मालवाहक पोत को भारतीय नौसेना ने समुद्री डाकुओं के कब्जे से बचा लिया है। नौसेना ने बचाया कि 40 घंटे के ऑपरेशन के बाद यह कामयाबी हाथ लगी है।

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली. सोमाली के समुद्री डाकुओं के खिलाफ 40 घंटे भारतीय नौसेना के ऑपरेशन के बाद बड़ी सफलता हाथ लगी है। तीन महीने पहले डाकुओं द्वारा हाइजैक किए गए मालवाहक जहाज को सुरक्षित बचा लिया गया है। इसके अलावा जहाज के 17 चालक दल के सदस्य भी सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। वहीं कम से कम 35 डाकुओं ने भारतीय नौसेना के आगे घुटने टेक दिए। बड़े कार्गो शिप और चालक दल को बचाने के लिए भारतीय नौसेना पानी में 2600 किलोमीटर की दूरी

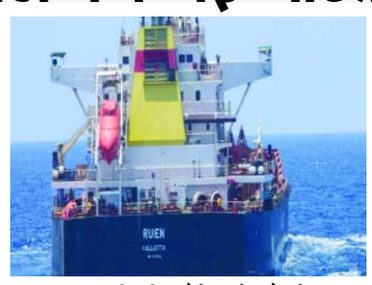

तय कर पहुंची थी। नौसेना के हौसले, दमदार ऑपरेशन और सूझबूझ की वजह से ही यह बड़ी कामयाबी हाथ लगी है।

जहाज एमवी रुएन को 14 दिसंबर को समुद्री डाकुओं ने हाइजैक कर लिया था। इसके बाद समुद्री डाकू डकैती के लिए इस जहाज का इस्तेमाल करना चाहते थे। भारतीय नौसेना को जब इस बात का पता चला तो ऑपरेशन का पूरा प्लान तैयार किया गया। जब भारतीय नौसेना ने इस जहाज से संपर्क करने की कोशिश की तो डाकुओं ने गोलीबारी कर दी। देखा गया कि डकैत पोत के डेक पर टहल रहे हैं और भारतीय नौसेने के पोत की तरफ निशाना भी साध रखा है।

शुक्रवार को समुद्री डाकुओं की फायरिंग के बाद नेवी ने अपनी रणनीति बदली। नौसेना ने पी-8द्ध समुद्री गश्ती विमान, फ्रंटलाइन वॉरशिप आईएनएस कोलकाता और आईएनएस सुभद्रा को उतार दिया गया। इसके अलावा ड्रोन का भी सहारा लिया गया। नौसेना ने सी-17 विमान के जरिए मार्कोस कमांडो को जहाज पर उतार दिया। इसके बाद लुटेरों को सरेंडर करना पड़ गया। नौसेना ने बताया कि 40 घंटे के ऑपरेशन के दौरान आईएनएस कोलकाता से बड़ी कार्रवाई की गई। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि चालकदल के 17 सदस्यों को बिना किसी नुकसान के बाहर निकाल लिया गया है। नौसेना के जहाज ने डाकुओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। भारतीय नौसेना ने पहले भी कई जहाजों को बचाया है। वहीं समुद्री लुटेरे हिंद महासागर में लगातार जहाजों पर हमले कर रहे हैं।

गुजरात यूनिवर्सिटी में बवाल, अफगानिस्तान-उज्बेकिस्तान के छात्रों पर हमला, हॉस्टल के अंदर पढ़ रहे थे नमाज

गुजरात. गुजरात यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों पर हमले की बड़ी खबर सामने आई है. यूनिवर्सिटी के ए ब्लॉक कैंपस में कुछ दंगाई तत्वों ने अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेशी छात्रों पर हमला कर दिया. दावा किया जा रहा है कि नमाज पढ़ने को लेकर इन छात्रों पर हमला किया गया. यह हमला उस वक्त किया गया जब छात्र नमाज पढ़ रहे थे. देर रात हुई इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी कैंपस में दहशत का माहौल देखने को मिला. छात्रों पर लाठियों से हमला करना और गाड़ियों में तोड़फोड़ करना, ये सब यूनिवर्सिटी कैंपस में लगे कैमरे में कैद हो गया है. घटना की सूचना मिलने पर विधायक इमरान खेड़ावाला, पूर्व विधायक ग्यासुद्दीन शेख समेत नेता मौके पर पहुंचे. घायल छात्रों को इलाज के लिए एसवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है.पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है. राज्य के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने भी इस पर त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए हैं. मामले में पुलिस कमिश्नर की गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ बैठक हुई थी. पूर्व विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है. ग्यासुद्दीन शेख ने कहा कि जब छात्रों पर हमला हुआ तो पुलिस बेशक आई, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? पुलिस आरोपियों को कवर कर रही थी. ग्यासुद्दीन ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित करने की मांग की है. जानकारी के मुताबिक, ये छात्र हॉस्टल कॉलेज परिसर में नमाज पढ़ रहे थे. इसी से नाराज कुछ छात्रों ने इसका विरोध किया जिसके बाद बात हाथापाई तक पहुंच गई.

अरविंद केजरीवाल के लिए सिर्फ सीटों की लड़ाई नहीं, चेहरा बचाने की भी जंग

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। हालांकि, भ्रष्टाचार के लगे आरोपों और कई वरिष्ठ नेताओं के जेल जाने की वजह से उनके सामने छवि बचाने की चुनौती है।

सौरभ शर्मा

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। उन्होंने बीते 12 वर्षों में बगैर किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि या परिवार के नई पार्टी आप को राष्ट्रीय पटल पर लाकर खड़ा कर दिया है।

आम आदमी पार्टी ने जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन कर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ी, आज उसी कांग्रेस के साथ चार राज्यों में गठबंधन कर आप लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल की चुनौती अपनी ईमानदार छवि को बरकरार रखने की है। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़कर वह राजनीति में आए, आज खुद

वह उन्हीं आरोपों में घिरे हैं। उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करीब एक वर्ष से जेल में है। यह लोकसभा चुनाव उनके लिए सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि जीत के साथ जनता के बीच अपनी छवि को सही साबित करने की चुनौती है।

संगठन मजबूत करने से लेकर प्रचार और इंडिया गठबंधन के साथ चलना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। दिल्ली में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल लगातार तीन बार 2013, 2015 फिर 2020 में प्रचंड बहुमत लाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं।

दस साल में आप को राष्ट्रीय दल का दर्जा

केजरीवाल ने 2 अक्तूबर 2012 को राजनीतिक दल बनाने की घोषणा की थी। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी के नाम से दल की घोषणा की। 2013 में कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि 49 दिन में यह सरकार गिर गई। वर्ष 2015 में दिल्ली में 70 में से 67 सीट जीतकर सरकार बनाई। 2020 में 62 सीट जीतकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 2022 में पंजाब में 92 सीट जीतकर आप की सरकार बनी। गुजरात में पार्टी ने पांच विधानसभा और गोवा में 2 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।

आईआरएस से एक्टिविस्ट फिर राजनेता तक का सफर-अरविंद केजरीवाल का जन्म 16 अगस्त 1968 में हरियाणा के हिसार जिले में हुआ। 1989 में आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग की डिग्री ली। फिर 1992 में आईआरएस सेवा के लिए चयनित हुए। आठ साल नौकरी करने के बाद उन्होंने 2000 में नौकरी छोड़ने का फैसला किया। फिर सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून को लेकर काम किया। वर्ष 2010 में उन्होंने इंडिया अगेंस्ट करप्शन की शुरुआत की। 2010 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना आंदोलन से जुड़े। वर्ष 2012 में उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरुआत की।

दिल्ली में चुनावी घोषणा से सजा सियासी मैदान, मतदान के लिए 2 माह लंबा इंतजार

चुनावी घोषणा के बाद सियासी मैदान सजा लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद राजधानी में सियासी मैदान सज गया है। एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवार ताल ठोकेंगे..

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली. लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के बाद राजधानी दिल्ली में भी सियासी मैदान सज गया है। एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवार ताल ठोकेंगे। चुनाव मैदान में उतर चुके प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों को अगले 69 दिन तक जनता के बीच पसीना बहाना होगा। राजधानी दिल्ली में वर्ष 2019 में 12 मई को मतदान हुआ था, लेकिन इस बार छठे चरण में 25 मई को वोट डाले जाएंगे। ऐसे में मतदाताओं के बीच माहौल को बनाए रखने की चुनौती रहेगी। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को ज्यादा कार्यक्रम करने पड़ेंगे। खासकर तपती गर्मी में चुनावी माहौल को बनाए रखने की चुनौती रहेगी। राजनीतिक दल भी मान रहे हैं कि दिल्ली में छठे चरण के अंदर चुनाव होने का साफ मतलब है कि प्रत्याशियों के साथ कार्यकर्ताओं की जनता के बीच परेड करने की अवधि बढ़ेगी। ऊपर से प्रत्याशियों और पार्टियों के खर्चे भी बढ़ेंगे। ऊपर से गर्मी के बीच जनसभाओं में लोगों को जुटाने की भी चुनौती रहेगी। भाजपा की तरफ से कहा भी गया है कि हम पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाए रखेंगे और चुनाव अभियान को निरंतर बनाए रखने के लिए अपनी चुनावी रणनीति की भी समीक्षा करेंगे। दूसरे दलों के सामने भी यह चुनौती रहेगी। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और आप पहले से चुनावी मोड में काम कर रही हैं।

निगम की उपलब्धियां भी सियासत के केंद्र में रहेंगी-लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद अब दिल्ली की सातों सीटों पर भी प्रचार शुरू हो जाएगा। इसको लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस के पार्षद को भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदारी सौंपेगा। साथ ही, सभी दलों के पार्षदों में अपनी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के बीच प्रसार करने को लेकर भी चुनौती होगी। शनिवार को महापौर और आम आदमी पार्टी की पूर्वी पटेल नगर से पार्षद डॉ. शैली ओबरॉय ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए कई कामों की घोषणा की। उन्होंने भाजपा के निगम में 15 साल के शासन पर निशाना भी साधा। इस पर निगम में नेता विपक्ष और भाजपा के मुखर्जी नगर के पार्षद राजा इकबाल सिंह ने पलटवार किया।

गारंटी पूरी नहीं करने का आरोप : राजा इकबाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले पूर्ववर्ती निगमों को फंड नहीं दिया और अब एक साल से सत्ता में आने के बाद निगम में विकास के काम रोक दिए हैं। लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों की हार देखते हुए आम आदमी पार्टी विचलित हो गई है। जनता का कोई समर्थन उन्हें नहीं मिल रहा है। इतना ही नहीं जनता टूटी सड़कों, गंदे पानी और पार्कों की बदहाल स्थिति से आम आदमी पार्टी सरकार से नाराज है। निगम में दस गारंटी चुनाव से पहले दी थी। लेकिन एक भी गारंटी एक साल में पूरी नहीं हुई। इस वजह से लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले महापौर को सड़कों का निर्माण कराने की घोषणा करनी पड़ी, जबकि यह घोषणा सिर्फ चुनावी है और इसमें कोई फाइलों पर कोई मंजूरी नहीं मिली है।

ब्रिटिश शाही घराने की बहू को लेकर गहराया रहस्य, महल के कर्मचारियों का दावा- कई दिनों से केट को नहीं देखा

लंदन. ब्रिटिश राजघराने की बहू और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। कई दिनों से केट मिडलटन को नहीं देखा गया है और महल के कई वरिष्ठ कर्मचारियों ने भी दावा किया है कि उन्होंने भी कई दिनों से ने वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन को देखा है और न ही उनसे बात हुई है। प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन जिस केनसिंग्टन पैलेस में रहते हैं और बताया जा रहा है कि पेट की सर्जरी के बाद केट मिडलटन केनसिंग्टन पैलेस में ही आराम कर रही हैं, लेकिन महल के कर्मचारियों का ही कहना है कि उन्होंने कई दिनों से केट को नहीं देखा है।

चर्चाओं और कयासों का दौर चल रहा

केट मिडलटन को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चाएं चल रही हैं। कुछ यूजर्स का कहना है कि केट मिडलटन कोमा में हैं। केट मिडलटन को लेकर चर्चाओं का दौर तब शुरू हुआ, जब बीते दिनों मदर्स डे के अवसर पर केनसिंग्टन पैलेस द्वारा केट मिडलटन का उनके बच्चों के साथ एक तस्वीर जारी की गई। इस तस्वीर के साथ मदर्स डे की शुभकामनाएं दी गई थी, लेकिन इस तस्वीर के साथ कांट-छांट की गई थी, जिसके बाद ब्रिटिश राजघराने की तरफ से भी तस्वीर से कांट-छांट होने की पुष्टि की गई और तस्वीर को वापस ले लिया गया। इसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई और केट मिडलटन की सेहत को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

बीते साल से सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखी हैं केट मिडलटन

केट मिडलटन बीते क्रिसमस से सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दी हैं। राजपरिवार की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि पेट की सर्जरी के बाद केट मिडलटन अस्पताल से छुट्टी लेकर 29 जनवरी को विंडसर पैलेस आ गई थी, लेकिन उनके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। कैनिंग्स्टन पैलेस की तरफ से भी इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया जा रहा है।

चुनावों में गड़बड़ी न होती अगर पाकिस्तान में होतीं ईवीएम, जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान का बयान

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजे आए काफी समय हो चुका है। हालांकि, देश की घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। खासकर देश के मुख्य विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने तो चुनाव आयोग को ही घेरते हुए कहा कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही भ्रष्ट थी। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी इस मुद्दे को उठाया है।

जेल में बंद इमरान ने कहा है कि अगर पाकिस्तान में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) होतीं तो चुनाव में ऐसा भ्रष्टाचार न हो पाता।

अदियाला जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक ने एक पत्रकार से बातचीत के दौरान कहा, अगर आज ईवीएम होतीं तो एक घंटे के अंदर मतदान में गड़बड़ियों के सारे मुद्दे सुलझा लिए जाते इमरान ने कहा कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग, कुछ राजनीतिक दलों और संस्थान ने देश में ईवीएम लाने की योजना को बर्बाद कर दिया।

जनादेश चुराने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा चले

रिपोर्टर्स से बातचीत के दौरान इमरान ने कहा कि आम चुनाव में जनता के जनादेश को चुराने वालों पर देशद्रोह के तहत कार्यवाही होनी चाहिए। इमरान ने अमेरिका में आईएमएफ के दफ्तर के बाहर हुए प्रदर्शनों का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने इसमें पाकिस्तानी सेना के विरोध में लगे नारेबाजी से खुद को दूर कर लिया। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए इमरान ने कहा कि मुश्किल में पड़ी इकोनॉमी को संभालना मौजूदा सरकार के लिए नामुमकिन है। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि उनकी पार्टी ने देश को आर्थिक संकट में छोड़ा। इमरान खान ने कहा कि 2018 में जब पीएमएल-एन सरकार से गई तब व्यापार घाटा 20 अरब डॉलर पहुंच चुका था और हमारे पास आईएमएफ के पास जाने के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं था।

आइसलैंड में फटा भयानक ज्वालामुखी, शहर में बह रहा आग का दरिया, हेलीकॉप्टर से निकाले गए लोग

आइसलैंड के दक्षिणी हिस्से में पिछले तीन महीने में ज्वालामुखी विस्फोट की ये चौथी घटना है। ग्रिंडाविक शहर के बाहर लावा को रोकने के लिए रक्षा दीवार बनाई गई थी। बताया जा रहा है कि लावा इस दीवार तक पहुंच गया है। अगर लावा बढ़ता है तो दीवार के लिए इसे रोक पाना मुश्किल है।

रेजेविक. आइसलैंड के रेजेंस प्रायद्वीप में एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के बाद देश के दक्षिणी हिस्से में आपातकाल लागू कर दिया गया है। इसे इलाके का सबसे बड़ा ज्वालामुखी विस्फोट बताया जा रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वालामुखी का लावा बहकर ग्रिंडाविक शहर तक पहुंच गया है। लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर ब्लू लैगून और ग्रिंडाविक शहर को खाली करा लिया गया है। दिसम्बर के बाद इस रेजेंस प्रायद्वीप में ज्वालामुखी विस्फोट की ये चौथी घटना है। इसके पहले 8 फरवरी को भी यहां ज्वालामुखी फट पड़ा था। हालांकि, आइसलैंड का हवाई क्षेत्र अभी खुला हुआ है, लेकिन लावा से निकल रहा धुआं इसमें भर रहा है।

शहर की रक्षा दीवारों तक पहुंचा लावा

आइसलैंड की सिविल डिफेंस सर्विस के अनुसार, विस्फोट शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम को 8 बजे ग्रिंडविक के उत्तर में होगाफेल और स्टोरा-स्कॉगफेल के बीच हुआ था। ये वही जगह हैं, जहां पर 8 फरवरी को विस्फोट हुआ था। विस्फोट के जो फुटेज सामने आ रहे हैं, उसमें धुएं के बादल और चमकता और उबलता हुआ मैग्मा धरती के अंदर से निकलता दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, केफ्लाविक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और अन्य क्षेत्रीय हवाई अड्डे विस्फोट से प्रभावित नहीं हुए हैं।

बीबीसी ने भूवैज्ञानिक मैग्नस टुमी गुडमंडसन के हवाले से बताया कि शनिवार का विस्फोट अब तक का सबसे शक्तिशाली विस्फोट था। मैग्नस उन लोगों में हैं, जिन्हें इलाके से हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित बाहर लाया गया था। लावा का दो बहाव पश्चिम और दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि लावा का एक हिस्सा ग्रिंडविक की पूर्वी रक्षा दीवारों तक पहुंच गया है।

जानें विस्फोट की पूरी टाइमलाइन

इसके पहले ग्रिंडाविक को नवम्बर में खाली करा लिया गया था, जब स्वार्टसेंगी ज्वालामुखी 800 सालों के बाद जागृत हो गया था। इसके बाद शहर के उत्तर में जमीन में बड़ी दरार आ गई थी। आखिरकार 18 दिसम्बर को ज्वालामुखी फट गया था, जिससे लावा ग्रिंडाविक से दूर बहने लगा था। शहर की सुरक्षा के लिए रक्षा दीवार बनाई थी। 14 जनवरी को दूसरा विस्फोट हुआ था और लावा शहर की रक्षा दीवार तक पहुंच गया। दीवार ने कुछ प्रवाह को रोक दिया था लेकिन कई इमारतें लावा की चपेट में आकर राख हो गई थी।

तीसरा विस्फोट 8 फरवरी को शुरू हुआ। यह कुछ ही घंटों में शांत हो गया, लेकिन इससे पहले लावा की नदी ने पाइपलाइन को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे हजारों लोगों को गर्म पानी मिलना बंद हो गया था। आइसलैंड ज्वालामुखी के नजरिए से बहुत ही संवेदनशील है। देश में कई सक्रिय ज्वालामुखी क्षेत्र हैं, जिसमें आए दिन ज्वालामुखी विस्फोट होते हैं और यहां उनसे निपटने के लिए पर्याप्त अनुभव है। हाल के दिनों में सबसे विनाशकारी घटना 2010 में हुआ विस्फोट था, जब वायुमंडल में राख के विशाल बादल फैल गए थे, जिससे यूरोप में बड़े पैमाने पर हवाई क्षेत्र बंद हो गए थे।

चुनाव नहीं जीता तो खून-खराबा हो जाएगा, डोनाल्ड ट्रंप ने दी खुली धमकी; चीन पर बरसे

वॉशिंगटन. अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में खून खराबे की धमकी दे डाली है। ओहायो में एक जनसभा के दौरान ट्रंप ने कहा कि अगर वह इस बार नहीं चुने जाते हैं तो देश में खून खराबाशुरू हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि इस बार चुनाव की तारीख अमेरिका के इतिहास में सबसे अहम होने जा रही है। वह डायटन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे।

बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप को प्रिजम्प्टिव नॉमिनी बनाया गया है।डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की ऑटो इंडस्ट्री के बारे में बात कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने खून खराबे वाला भी बयान दे डाला। उन्होंने कहा, आप 5 नवंबर की तारीख नोट कर लीजिए। यह बहुत ही अहम तारीख होने जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे बुरे राष्ट्रपति जो बाइडेन हैं।

चीन पर बरसे ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीनी चाहते हैं कि वे मैक्सिको में कार बनाएं और फिर अमेरिका में बेचें। अगर मैं राष्ट्रपति चुना जाता हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा। और अगर मैं नहीं जीतता हूं तो पूरे देश में खून-खराबा शुरू हो जाएगा। बता दें कि

77 साल के डोनाल्ड ट्रंप पूरे जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

बाइडेन के कार्यकाल को वह डरावना शो बता रहे हैं। वह बाइडेन प्रशासन की इमिग्रेशन पॉलिसी पर जोरदार हमला कर रहे हैं। शनिवार को डोनाल्ड ट्रंप ऐसे इलाके में पहुंचे थे जहां डेमोक्रेट के ज्यादा वोटर हैं। बाइडेन ओर ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी का दौर चल रहा है।

बाइडेन ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप देश का अपमान करवाते हैं और देश की खराब तस्वीर पेश करते हैं। बाइडेन ने कहा कि इस बार के चुनाव अमेरिका के लोकतंत्र का भाग्य तय करने वाले हैं। उन्होंने 6 जनवरी की घटना का जिक्र कर कहा कि ट्रंप देश के लिए घातक हो सकते हैं। वहीं बता दें कि अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने ऐलान कर दिया है.

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में गोलीबारी, 3 लोगों की दर्दनाक मौत

फेयरलेस हिल्स. अमेरिका के फिलाडेल्फिया के उपनगर में शनिवार तड़के हुई गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के कारण 'सेंट पैट्रिक्स डे परेड रद्द करनी पड़ी और बच्चों का 'थीम पार्क बंद करना पड़ा।

'मिडलटाउन टाउनशिप पुलिस ने बताया कि ईस्टर्न पेंसिल्वेनिया की फॉल्स टाउनशिप में ''गोलीबारी की घटना की पुष्टि हुई है और इस घटना में ''कई लोग हताहत हुए हैं।

बक्स काउंटी के प्राधिकारियों ने क्षेत्र के निवासियों को अपने घरों में रहने और दरवाजे बंद रखने की चेतावनी दी है। एक स्थानीय निर्वाचित अधिकारी ने गोलीबारी की इस घटना को ''घरेलू बताया। 'फॉल्स टाउनशिप बोर्ड ऑफ सुपरवाइजर के अध्यक्ष जेफरी डेंस ने कहा कि हमलावर टाउनशिप में दो स्थानों पर गया और उसने कई लोगों को गोली मारी, जिनमें से तीन की मौत हो गई। मिडलटाउन टाउनशिप पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और माना जा रहा है कि वह इस समय बेघर है और वह ''मुख्य रूप से ट्रेंटन में रहता है।

मेरिका के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क बना रही एलन मस्क की कंपनी, दुनिया के हर कोने पर रहेगी नजर

वॉशिंगटन. दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क विकसित कर रही है। गोपनीय जानकारी के अनुसार, एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका की खुफिया एजेंसी यूएस राष्ट्रीय टोही कार्यालय के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। यह प्रोजेक्ट 1.8 अरब डॉलर का है, जिसके तहत मस्क की कंपनी कई जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजेगी, जिनकी मदद से पूरी दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखी जाएगी।

अमेरिकी सेना की निगरानी की क्षमता कई गुना बढ़ेगी

स्पेसएक्स और एनआरओ के बीच 2021 में यह समझौता हुआ था। अमेरिका की एनआरओ एजेंसी ही अमेरिका की विभिन्न सैटेलाइट्स का संचालन करती है। एनआरओ और स्पेसएक्स के बीच हुआ समझौता अगर सफल रहता है तो इससे अमेरिकी सेना की निगरानी क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी और अमेरिका आसानी से पूरी दुनिया पर खुफिया तौर पर निगाह रख सकेगा। फरवरी में भी मीडिया रिपोर्ट्स में इस डील की खबरें प्रकाशित हुई थी, लेकिन उस वक्त यह पता नहीं चला था कि 1.8 अरब डॉलर की यह बड़ी डील किस कंपनी को मिली है।

समझौते के तहत सैंकड़ों सैटेलाइट लॉन्च करेगी स्पेसएक्स

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेसएक्स डील के तहत सैंकड़ों सैटेलाइट आसमान में लॉन्च करेगी। ये सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित की जाएंगी और ये सैटेलाइट दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखेंगी। हालांकि यह प्रोजेक्ट कब तक पूरा होगा, इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। स्पेसएक्स दुनिया की सबसे बड़ी सैटेलाइट ऑपरेटर कंपनी है। हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर न तो स्पेसएक्स और न ही एनआरओ ऑफिस की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है।

भारत के INS ध्रुव से घबराए पाक को भी मिला पहला जासूसी जहाज, चीन ने की जमकर मदद

इस्लामाबाद. पाकिस्तान की नौसेना को अपना पहला जासूसी जहाज पीएनएस रिजवान मिल गया है। इस काम में पाकिस्तान की चीन ने जमकर मदद की है। इस जासूसी पोत का निर्माण चीन में ही किया गया है। हालांकि इस जासूसी जहाज के बारे में पाकिस्तान ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने जासूसी जहाज को अपने बेड़े में शामिल करके भारत के आईएनएस ध्रुव का जवाब दिया है। पाकिस्तानी जासूसी जहाज के पास भी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने और अन्य खुफिया जानकारियां जुटाने की क्षमता है।

भारत के आईएनएस ध्रुव से मिलती जुलती क्षमता इसकी भी है। भारत में निर्मित आईएनएस ध्रुव 175 मीटर लंबी मिसाइल रेंज इन्स्ट्रुमेंटेशन शिप है। यह लॉन्ग रेंज रडार, डोम शेप ट्रैकिंग एंटीना और एडवांस सिस्टम से लैस है। पाकिस्तान का पीएनएस रिजवान आईएनएस ध्रुव की तुलना में छोटा है। बता दें कि आईएनएस ध्रुव को 2021 में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। बता दें कि इस तरह के जासूसी जहाज दुनिया के गिने चुने देशों के ही पास हैं। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और भारत शामिल हैं। चीन आए दिन अपने जासूसी जहाज को हिंद महासागरम में उतारदेता है। वह भारत के मिसाइल लॉन्च सिस्टम पर नजर रहने के फिराक में रहता है। चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच वह भारत की ताकत के बारे में हर खबर रखना चाहता है। भारत चीन की इन हरकतों का जवाब भी देता रहा है। हालांकि श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों की वजह से चीन को हिंद महासागर में जहाज उतारने का मौका मिल जाता है।बता दें कि आईएनएस ध्रुव का निर्माण विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड पर हुआ था।

भारतीय राजदूत के स्वागत से चिढ़े खालिस्तानी, तलवार लहराते हुए किया हंगामा; पुलिस ने खदेड़ा

कनाडा के अलबर्ट में भारतीय राजदूत संजय वर्मा के स्वागत समारोह स्थल पर खालिस्तानियों ने जमकर बवाल काटा। खालिस्तानी समारोह स्थल के बाहर तलवार लहराने लगे तो पुलिस ने उन्हें खदेड़ा।

ओटावा. कनाडा के अलबर्टा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा के स्वागत को लेकर खालिस्तानी इतना चिढ़ गए कि वे वेन्यू के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक वहां कम से कम दो दर्जन खालिस्तान समर्थकम जमा हुए थे।

कुछ के हाथ में हथियार भी थे। एक खालिस्तानी हवा में तलवार लहराता भी नजर आया। इसी बीच भारत समर्थकों के साथ झड़प हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा की पुलिस ने स्थिति को संभाला और दोनों गुटों को समझा-बुझाकर शांत किया।इसी तरह संजय वर्मा के स्वागत के दौरान एडमंड और सूरी में भी खालिस्तानी समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। बता दें कि खालिस्तानियों की धमकी को देखते हुए कालगरी में होने वाले कार्यक्रम को कैंसल कर दिया गया था।

वहीं किसी दूसरी जगह पर उच्चायुक्त के स्वागत के रुप में केवल लंच का इंतजाम किया गया था। बता दें कि पीएम जस्टिन ट्रूरूडो द्वारा भारत पर खालिस्तानी निज्जर की हत्या का आरोप लगाएजने के बाद संजय वर्मा पहली बार वेस्टर्न कनाडा के दौरे पर पहुंचे थे। खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने पहले ही वर्मा पर हमला करने की धमकी दी थी। कनाडा के विदेश मंत्रालय ने भी इसका संज्ञान लिया था और उनकी सुरक्षा में इजाफा कर दिया था। वहीं खालिस्तान समर्थकों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। वर्मा ने बताया कि उनकी यात्रा सफल रही है। उन्होंने विक्टोरिया की लेजिस्लेचर बिल्डिंग में संबोधन दिया। इसके बाद सूरी में बोर्ड ऑफ ट्रेड की बैठक में शामिल हुए। कालगरी में वह इंडो-कनाडा चैंबर ऑफ कनाडा के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इससे पहले खाल्तानियों ने भारतीय राजदूत के खिलाफ तलवार और भाले लहराए थे। एडमोंटन में बिजनेस लीडर से बातचीत के दौरान कार्यक्रम स्थल के बाहर बड़ी संख्या में खालिस्तान समर्थक पहुंचे थे।

संजय वर्मा ने कहा था कि, खालिस्तान समर्थकों ने कार्यक्रम को बाधित करने की पूरी कोशिश की थी लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। उन्होंने बताया था कि 80 के करीब खालिस्तान समर्थक वहां पहुंचे थे। महीने की शुरुआत में भी कोलंबिया शहर में उनके कार्यक्रम के दौरान हंगामा हुआ था।

मालदीव में चीन परस्त मुइज्जू के आने से हिंद महासागर में नई रेस, जानें ड्रैगन के दबाव को कैसे जबाव दे रहा भारत

माले. चीन परस्त मुइज्जू के आने के बाद से हिंद महासागर में चीन ने अपनी नापाक चलनी शुरू कर दी है। मालदीव ने साथ हुए एक समझौते के तहत चीन द्वीपीय राष्ट्र को मुफ्त सैन्य सहायता देने जा रहा है। मालदीव से भारतीय नौसैनिकों को हटाने के आदेश और चीनी जहाज के माले में लंगर डालने के बाद ये समझौता निसंदेह भारत को उकसाने वाला है।

मालदीव की घरेलू राजनीति भारत विरोधी भावना के अतिरिक्त ये घटनाक्रम नई दिल्ली के लिए संकेत हैं कि चीन अपना सुरक्षा फोकस हिंद महासागर में बढ़ा रहा है, जो इस क्षेत्र में सैन्य दबाव को बढ़ाएगा।नई दिल्ली की नीति भले ही किसी गुट में शामिल होने की न रही हो लेकिन चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के रूप में देखता है, जिसके चलते बीजिंग नई दिल्ली के क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव का मुकाबला करने को अपने लिए बहुत जरूरी मानता है। ये चीन की नई दिल्ली को घेरने की नीति ही है, जिसके तहत उसने भारत के तत्काल दक्षिण एशियाई पड़ोसियों में अलग-अलग समय पर श्रीलंका राजपक्षे और मालदीव में अब्दुल्ला यामीन और मोहम्मद मुइज्जू जैसे भारत विरोधी नेताओं का समर्थन किया है।

भारत के समर्थक देशों में चीन बढ़ा रहा पकड़

चीन ने सिर्फ भारत विरोधी नेताओं का ही समर्थन नहीं किया है, बल्कि समय के साथ बीजिंग ने दक्षिण एशिया में भारत की तरफ झुकाव वाले नेतृत्व तक पहुंचने के लिए भी लचीलापन दिखाया है। बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग का समर्थन बीजिंग की इसी कूटनीति का हिस्सा है।

कोविड-19 महामारी के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में भारत-चीन रणनीतिक प्रतिस्पर्धा एक नए चरण में प्रवेश कर गई है। चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बढ़ाया है। हालांकि, मौजूदा आर्थिक संकट और कई मुद्दों पर पश्चिम के दबाव के चलते चीन की कूटनीति पर बाधाएं बढ़ रही हैं।

भारत ने भी पिछली गलतियों से सीखा

चीन का मुकाबला करने के लिए भारत ने भी अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए पड़ोसी नेताओं तक पहुंच की नीति को अधिक संतुलित किया है। इसके साथ ही संभावित संकटों से निपटने में नई दिल्ली ने अधिक संयमित रवैया अपनाया है। उदाहरण के लिए, जब मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने खोज और बचाव उद्देश्यों के लिए हेलीकॉप्टर और जहाजों का संचालन करने वाले भारतीय नौसैनिकों को वापस भेजने की मांग की तो भारत ने इसे अस्वीकार नहीं किया। हालांकि, नई दिल्ली ने उनकी जगह पर नागरिक कर्मियों की नियुक्ति पर जोर दिया। ये भारत के दृष्टिकोण को दिखाता है कि चीन से प्रतिस्पर्धा के लिए उसे धैर्य और आक्रामक दोनों रवैया रखने के लिए तैयार है।

चीन के दबाव को भारत दे रहा जवाब

भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी सुरक्षा भागीदारी को बढ़ावा देकर चीन को दबाव दिया है। । सुरक्षा क्षेत्र के साथ भारत विकास परियोजनाओं में भी मदद कर रहा है। चीन ने मालदीव में अपनी पहुंच बढ़ाई है तो भारत मारीशस में समुद्री और हवाई कनेक्टिविटी में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में जुटा है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ED का मकसद केजरीवाल को चुनाव से पहले गिरफ्तार करना, जल बोर्ड वाले नए केस में क्का दावा

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी (आप) का दावा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और नए केस में समन भेजा है। ईडी द्वारा शनिवार शाम को भेजे गए इस समन में केजरीवाल से दिल्ली जल बोर्ड से संबंधित किसी जांच में पूछताछ करना चाहती है। 'आप' नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बारे में जानकारी दी।

'आप' का आरोप है कि केंद्र सरकार और ईडी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव-प्रचार से रोकना चाहती है। अब दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े एक मामले में भी मुख्यमंत्री को नोटिस भेजा गया है। आतिशी ने आरोप लगाया कि कल (शनिवार) को कोर्ट ने मुख्यमंत्री को बेल दी, जिसके बाद कोर्ट में अब कानूनी बहस होगी कि पूर्व में ईडी द्वारा भेजे गए समन लीगल हैं या नहीं। लेकिन केंद्र की सरकार को लगता है कि पता नहीं, इस मामले में गिरफ्तार कर पाएंगे या नहीं, इसलिए एक नया मामला बनाकर नोटिस भेजा गया है। आतिशी ने आरोप लगाया कि चुनाव बॉन्ड जैसे मामलों से ध्यान भटकाने के लिए विरोधियों को जेल में भेजने की साजिश हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कोर्ट मामले को स्वयं देख रहा है कि समन लीगल है या नहीं तो फिर एक नया समन भेजना का क्या मतलब है। इससे साफ जाहिर है कि एजेंसी कोई जांच नहीं कर रही है और न जांच एजेंसी किसी नतीजे पर पहुंचना चाहती है। एजेंसी का मकसद सिर्फ अरविंद केजरीवाल को चुनाव से पहले गिरफ्तार करना है।

ईडी ने क्या केस दर्ज किया, हमें भी जानकारी नहीं : आतिशी

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को कल शाम ईडी द्वारा एक और समन मिला है। ईडी ने उनसे दिल्ली जल बोर्ड से संबंधित कुछ जांच में शामिल होने के लिए कहा है। इस मामले में ईडी ने क्या केस दर्ज किया है, हमें भी इसकी कोई जानकारी नहीं है...इस फर्जी मामले में अरविंद केजरीवाल को समन किया गया है। 'आप' नेता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल कल कोर्ट गए थे। उन्होंने उन सभी बीजेपी नेताओं को जवाब दिया है जो बार-बार कह रहे थे कि अरविंद केजरीवाल कोर्ट और ईडी से भाग रहे हैं।

दिल्ली के इंद्रलोक में नमाजियों को मारी लात, कोर्ट में भी पहुंच गई बात; क्या दीं गईं दलीलें

दिल्ली के इंद्रलोक में नमाज पढ़ते वक्त लात मारने की घटना अब अदालत तक पहुंच चुकी है। शनिवार को इस घटना पर सुनवाई हुई जिसके बाद अदालत ने संबंधित डीसीपी से रिपोर्ट मांगी है। एक मई को अगली सुनवाई।

नई दिल्ली. दिल्ली के इंद्रलोक में नमाज पढ़ते वक्त लात मारने की घटना अब अदालत तक पहुंच चुकी है। शनिवार को इस घटना पर सुनवाई हुई जिसके बाद अदालत ने संबंधित डीसीपी से रिपोर्ट मांगी है। तीस हजारी कोर्ट में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मनोज कौशल ने 'ऐक्शन टेकन' रिपोर्ट एक मई तक देने को कहा है, जिस दिन इस मामले की अगली सुनवाई होगी।यह घटना 8 मार्च की है। दिल्ली के इंद्रलोक में मक्की जामा मस्जिद के पास लोग सड़क पर नमाज पढ़ रहे थे। इस दौरान वहां जाम खुलवाने पहुंचे सब इंस्पेक्टर मनोज तोमर ने कुछ नमाजियों को लात मारी थी। वीडियो में, तोमर को सड़क पर प्रार्थना कर रहे लोगों को लात मारते और धक्का देते हुए और यहां तक कि उनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली प्रार्थना चटाई पर पैर रखते और चिल्लाते हुए देखा गया था।

सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल होने के बाद खूब बवाल मचा था। बड़ी संख्या में लोगों ने थाने का घेराव किया तो मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क पर प्रदर्शन भी करने लगे। मामला काफी तूल पकड़ने लगा था। हंगामा बढ़ते देख तुरंत मनोज तोमर को सस्पेंड कर दिया गया था और मामले की जांच शुरू कर दी गई। हालांकि, सोशल मीडिया पर बहुत से लोग तोमर के समर्थन में भी उतर आए। उनका कहना था कि सड़क पर नमाज पढ़ना गलत है और ऐसा करके लोग वहां जाम लगाते हैं। इस बीच, वकील फराज खान ने कोर्ट में इस घटना की शिकायत की। उन्होंने इसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। उन्होंने यह भी दलील दी है कि आरोपी और उनकी टीम ने समाज में सद्भाव और शांति में बाधा डाली।' फराज खान ने अपनी शिकायत में कहा, 'इस तरह की बेतुकी हरकत से आरोपी व्यक्ति और उनकी टीम समाज में कलह पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस अधिकारियों ने कोई ऐक्शन नहीं लिया है।

होली पर घर जाने वालों के लिए टेंशन वाली खबर, नोएडा डिपो से नहीं चलेंगी लंबी दूरी की बसें

नोएडा. होली पर घर जाने की सोच रहे लोगों के लिए टेंशन वाली खबर है। नोएडा के मोरना स्थित बस डिपो से इस बार होली पर लंबी दूरी की बस नहीं चलेंगी। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम के अधिकारियों ने योजना में बदलाव किया है। सीएनजी मिलने में दिक्कत और लंबी दूरी के लिए यात्री नहीं मिलने के कारण फैसला किया गया है।

नोएडा डिपो में 180 बस हैं। सभी सीएनजी से चलने वाली साधारण बस हैं। डिपो की अपनी एसी बस नहीं हैं, अन्य डिपो की एसी बस नोएडा डिपो होकर निकलती हैं। डिपो से तमाम शहरों के लिए बसें चलती हैं। इनमें बरेली, हाथरस, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हरिद्वार, कोटद्वार, लखनऊ, अयोध्या, कालागढ़, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, सहारनपुर समेत अन्य शहरों के लिए बस शामिल है।

नोएडा डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि डिपो से होली पर हर साल गोरखपुर, सीतापुर, सुल्तानपुर समेत तमाम शहरों के लिए बसें चलाई जाती हैं। इस बार इन शहरों के लिए बसें नहीं भेजी जाएंगी। उन्होंने कहा कि बसों को रास्ते में सीएनजी मिलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा लंबी दूरी के लिए अधिक यात्री भी नहीं मिलते हैं। इस कारण लंबी दूरी के लिए बस नहीं चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ और अयोध्या के लिए बसों की संख्या बढ़ा दी जाएगी। वर्तमान समय में दोनों शहरों के लिए एक-एक बस चलती है। दोनों बसें सुबह के समय डिपो से बस निकलती हैं।

20 मार्च से शुरू होगी होली स्पेशल बसें : नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से 20 मार्च से होली स्पेशल बसें शुरू होंगी। बसों के फेरे बढ़ा दिए जाएंगे। एक अप्रैल तक यात्रियों को यह सुविधा मिलेगी।

निर्मला शर्मा सही मायनों में थी नारी शक्ति – जूडिशियल कॉउन्सिल

नई दिल्ली। श्रीमती निर्मला शर्मा जी के रूप में, विश्व ने एक नारी शक्ति खो दी है ।

यह दुनिया का सबसे बड़ा सत्य है कि जीवन अस्थाई है । इस जग में व्यक्ति को उसके कर्मों के कारण ही याद किया जाता है । सयाना तहसील में 1 अगस्त 1941 में जन्मी निर्मला शर्मा जी को प्रेरणा स्रोत के रूप में सदा याद किया जाता रहेगा ।

न्यूज़ वार्ता संवादाता से बातचीत के दौरान देवर श्री राजीव लोचन शर्मा ने कहा भाभी जी को बहुत से लोग अपनी मदद के लिए ले जाया करते थे ,लोग हर दिन अपनी परेशानियों को ले कर आया करते थे ।

मुझे याद नहीं पड़ता कि किसी को भी उन्होंने इंकार किया हो । असाधारण शक्ति थी भाभी जी में घर भी संभाला और सामाजिक कार्य भी किये ।

श्रीमती निर्मला शर्मा जी कि बहन श्रीमती मधु शर्मा ने कहा कर्तव्यपरायणता कि मिशाल थी मेरी दीदी । किसी भी परेशानियों का सामना करने की असीम शक्ति थी , जीवनशैली में सरलता और व्यहवारिकता कूट कूट कर भरी हुई थी मेरी बहन के अंदर ।

जूडिशियल कॉउन्सिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री नें कहा एक ऐसा वातावरण बनाना होगा जो नारी शक्ति को और सशक्त कर सके तथा विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित करे।

ज्येष्ठ पुत्री डॉक्टर ज्योत्स्ना शर्मा नें कहा औरतों कि चुनौतियां अभी और आज ही खत्म नहीं हो जाएंगी लेकिन चुनौतियों से लड़ने की ताक़त मेरी माँ से सीखने की जरूरत है परम पिता परमेश्वर उनकी आत्मा को शांति दे ।

मंजु शुक्ला मेंबर ह्यूमन राइट्स जूडिशियल कॉउन्सिल नें कहा श्रीमती निर्मला शर्मा जी के सामाजिक योग दान को नहीं भुलाया जा सकता सही मायनों में थी नारी शक्ति । निर्मला जी स्वर्गवास होने पर हम सब हृदय की गहराइयों से दुख व्यक्त करते हैं।

संस्था की तरफ से बगीचे में स्मृति स्वरूप नींबू का पेड़ भी लगाया गया ।

सभा में शामिल होने वालों में भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित भारी संख्या में नाते रिश्तेदार मौजूद रहे , श्री त्रिलोकचंद शर्मा ,अर्चना शर्मा , समृद्ध शर्मा , ब्रिज मोहन भारद्वाज , मिट्ठू भारद्वाज, राधे मोहन भारद्वाज , अनुपमा भारद्वाज, अनुपमा शर्मा, नीलम खुराना, आशीष शर्मा, किरण गौतम, राजू भारद्वाज, श्याम लता शर्मा , नीलेश शर्मा , चेतन शर्मा , विनीत शर्मा , अनूप शर्मा , विवेक शर्मा , ईशा शर्मा , रेनू शर्मा , अंजू अग्निहोत्री , वत्सला अग्निहोत्री , कपिल कौशिक , कल्पना शर्मा , विंग कमांडर महेंद्र प्रसाद शर्मा (सेवा निवृत), ख्याति शर्मा , संजीव कुमार शर्मा, ग्रुप कैप्टेन संजय शुक्ला (सेवा निवृत) विंग कमांडर कला कौशल (सेवा निवृत) आदि लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि दी ।

कार्यक्रम के अंत में सुपुत्र एयर वाइस मार्शल अलोक शर्मा वी.एम ,वी. एस. एम. (सेवा निवृत्त) कि रस्म पगड़ी हुई ।

आपके काफिले से दिल्ली में लग जाती है जाम; अधीर रंजन ने PM मोदी को लिखी चिट्ठी

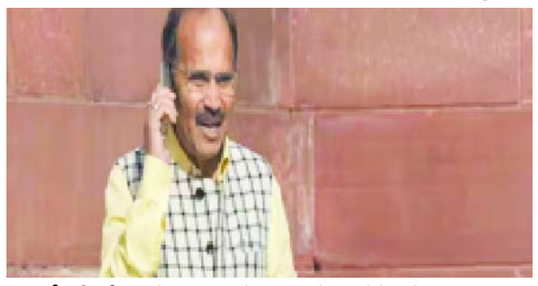

नई दिल्ली. लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि उनके काफिले की वजह से दिल्ली, विशेषकर मध्य दिल्ली में ट्रैफिक जाम हो जाती है। इसके कारण लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पीएम मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए आग्रह किया है।

अधीर रंजन चौधरी ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में यातायात जाम से जुड़े मुद्दे को उठाया और इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा लोगों के लिए अत्यधिक महत्व का विषय है और इसको लेकर कभी भी समझौता नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, फिर भी यह एक तथ्य है कि सड़कों पर आने-जाने वाले लोगों को अक्सर मार्ग अवरोध होने से कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इनमें दिहाड़ी मजदूर, मरीज, कार्यालय जाने वाले, स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे शामिल होते हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का यह भी कहना है, "मैंने सुना है और मुझे यह भी बताया गया है कि लोगों की फ्लाइट, ट्रेन, परीक्षाएं छूट गईं। साथ ही यातायात अवरोधों के कारण गंभीर रूप से बीमार लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवा मिलने में देरी हुई।

उन्होंने 15 मार्च को लिखे अपने पत्र में कहा कि राजधानी की सड़कों पर वीवीआईपी आवाजाही के कारण जनता को परेशानी हो रही है। चौधरी ने कहा, यह मामला सार्वजनिक चिंता का है, मुझे यकीन है कि आप इस पर ध्यान देंगे और सुझाव के अनुसार आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

NAME CHANGE
I, DEONARAIN CHOUDHARY S/O JATTU RAM Residing at DEVI STHAN ABGIFA GAYA BIHAR-823003 have changed my name to DEO NARAYAN CHOUDHARY for all future purposes

NAME CHANGE
I, TEJESWARI Wife of No. 2610774A Rank-HAV Name-APPALARAJU MADDI presently residing at DOOR NO-53-1-16, VILL-MADDILAPALEM, PO-P & T COLONY, TEHSIL- MADDILAPALEM, DISTT-VISAKHAPATNAM, A.P-530013 have changed my name from TEJESWARI to TEJESWARI MADDI for all future purposes vide Affidavit Dated 16/03/2024 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Qaisar Javed S/o Mohd Ali R/o D-73/511Gali No 1 Saeediy Masjid Chauhan Bangar Delhi 110053 Have changed my name from Qasar Javid to Qaisar Javed for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Ranjeet Singh S/o Parmal, Address : Village Narsinghpur, District, Gurugram - 122004 (Haryana) have changed my name to Ranjeet Bhati for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Tabassum W/o Qaisar JavedR/o D-73/511Gali No 1 Saeediy Masjid Chauhan Bangar Delhi 110053 Have changed my name from Tabasum Begum to Tabassum. Now onwards I shall be known as Tabassum W/o Qaisar Javed for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ZAINAB SAGHEER W/O ABDUL AHAD residing at H NO-2256 GALI DAKOTAN TURKMAN GATE, DELHI,-110006 have changed my name to ZAINAB SAGHIR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, K VANNAKILE Mother of No-14664931Y Rank-NK, Name- K MATHAN KUMAR R/O H NO-94B, VEDHAKOVIL STREET, VPO-KAMAYAGOUNDANPATTI, TEH-UTHAMAPALAYAM, DIST-THENI, TAMIL NADU-625521, have changed my name from K VANNAKILE to VANNAKILI for all future purposes vide affidavit dated 16/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gurvachan Anand S/o Mulak Raj R/o House No. 51 Forth Floor Bank Enclve Laxmi nagar , Delhi 110092 have changed my name to Gurbachan Aanad for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No-3203645A Rank-HAV, Name-GULAVE GANESH NARAYAN S/o NARAYAN R/o VPO-KANOLI, TEH-SANGAMNER, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-422605 have changed my minor son's name from AYUSH GANESH G to AYUSH GANESH GULAVE for all future purposes vide Affidavit dated 16/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, TULASABAI Mother of No-3203645A Rank-HAV, Name-GULAVE GANESH NARAYAN R/O VPO-KANOLI, TEH-SANGAMNER, DIST-AHMADNAGAR, MAHARASHTRA-422605 have changed my name from TULASABAI to TULSABAI NARAYAN GULAVE for all future purposes vide Affidavit dated 16/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SH BALRAM SINGH CHAUHAN Father of No-7782509K Rank-HAV/MP, Name- DURGESH SINGH CHAUHAN R/O VILL-NEWADA, PO-BABUGANJ, TEH-UNCHAHAR, DIST-RAEBARELI, UTTAR PRADESH-229401 have changed my name from SH BALRAM SINGH CHAUHAN to BALRAM SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My client Chhoti devi W/o Late Sh. Kanhaiya Lal R/o House No. F-3/452, Sangam Vihar, New Delhi-110062 have disowned and debarred his son Ramesh & his wife Laxmi from their all movable, immovable properties and have no relation with them in future. My client shall not be responsible from their any Civil & Criminal liabilities.
NIKHIL PAHADIYA Advocate
Ch. No.411, Lawyers Block, Saket Court New Delhi-110017

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल नागेन्द्र शास्त्री पुत्र श्री महानन्द झा आधार नं-9518 4721 5856 और श्रीमती अंजु देवी पत्नी श्री नागेन्द्र शास्त्री आधार नं-3128 3333 6196 दोनो निवासी शिवशक्ती मंदिर, भविष्या निधी एन्कलेव, मालवीय नगर, साउथ दिल्ली, नई दिल्ली-110017 ने अपनी पुत्री चेतना कुमारी जन्म तिथि 30.12.1995 से उसके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पति से वेदखल कर रहे हैं। तथा अपने सभी संबंध विच्छेद कर रहे हैं।
मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के अन्य सदस्य उपरोक्त चेतना कुमारी के किसी भी कार्य के लिए भविष्य में जिम्मेदार नहीं होगे।
MAHAVIR SINGH FARSWAN Advocate
Ch. No. 405, Lawyers Block, Saket District Court, New Delhi 110017

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी श्री रवि दत्त शर्मा फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या बी-85 की मालिक हैं, क्षेत्रफल 115 वर्ग गज है, खेत संख्या 651 में से, ग्राम कुलेसरा (संजय विहार) परगना दादरी तहसील और जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर में स्थित है। प्रदेश. सदुण द्वारा, विक्रय विलेख दिनांक 10.08.2018, दस्तावेज़ संख्या 27061, खंड संख्या 29013, पृष्ठ संख्या 285-324 एसआर-ग्रेटर नोएडा, आज तक खो गया है और उसका मूल मूल विक्रय विलेख दिनांक 27.08.2007, दस्तावेज़ संख्या 10265, खंड संख्या खो गया है/गुम हो गया है। 2400 पृष्ठ संख्या 325-374 एसआर-ग्रेटर नोएडा और मूल बिक्री विलेख दिनांक 08.09.2010 को दस्तावेज़ संख्या 20978, खंड संख्या 7338 पृष्ठ संख्या 325-342 एसआर-ग्रेटर नोएडा के रूप में इसे श्री राम प्रगट उपाध्याय के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारे ग्राहक हैं यह घोषणा करते हुए कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड यूनिट नंबर 302, तीसरी मंजिल वर्ल्ड ट्रेड टॉवर प्लॉट नंबर-सी-1, सेक्टर-16 नोएडा यूपी द्वारा फाइनेंस किया गया है।
यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
My client Saroj W/o Sh. Kanwar Pal & Kanwar Pal S/o Sh. Simru both R/o D-1-128, Madangir, Ambedkar Nagar, New Delhi-110062 have disowned and debarred their son Anup & his wife Pooja from their all movable, immovable properties and have no relation with them in future. My client shall not be responsible from their any Civil Criminal liabilities.
NIKHIL PAHADIYA Advocate
Ch. No.411, Lawyers Block, Saket Court New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE
To whom it may concern
Be it known to all and sundry that my clientess and client namely Mrs. Paramjeet Kaur W/o Sh. Vinod Kumar and Sh. Vinod Kumar S/o Sh. Sukhdev Raj both R/o: D-18/8, F.F., Saket Gali Old Govind Pura Krishana Nagar Delh-110051 have debarred/disowned their son Maninder Singh Chaani and his wife Randeep Kaur from all their movable and immovable property and severed all their relation with them. If anybody deals with them in any manner, he/she will be responsible himself/herself.
RATTAN SINGH, ADVOCATE
CH. NO. 440, WESTERN WING, TIS HAZARI COURTS DELHI-110054

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल एमडी जाकिर ने मुझे आपके दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस प्राप्त करने का निर्देश दिया है ।
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि एमडी जाकिर ने श्री राजेश जैन से मकान संख्या 548 (जिसे अब निजी संख्या 548-ए के रूप में जाना जाता है, 62 वर्ग गज का क्षेत्रफल, गली नंबर 36 ओंकार नगर सी, त्रि नगर, ग्राम चौकरी मुबारकाबाद दिल्ली-35 के क्षेत्र में फ्रीहोल्ड आवासीय दक्षिणी भाग को खरीदा है।, स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी के कानूनी उत्तराधिकारियों की मृत्यु 12.11.2023 को हुई थी और उनकी मृत्यु हो गई थी और उन्हें उक्त संपत्ति खरीदी गई थी, बिक्री विलेख दिनांक 23.10.1970 के तहत दस्तावेज़ संख्या 8007 के रूप में, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2465, पृष्ठ 174-176 पर, दिनांक 23.10.1970 सब-रजिस्ट्रार-1, दिल्ली। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पीरामल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) शाखा एनएसपी द्वारा वित्तपोषित किया जाना है।, दिल्ली।
यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
[NAVEEN KUMAR VERMA] Advocate
1/566-A, Ground Floor, Sector-1, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010.
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Furqan Malik / Mohd Furqan Ahmed S/o Sahabuddin Malik R/o A-31/150 H, GALI NO-3, GURUDWARA MOHALLA, MAUJPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to Given Name is Furqan and Surname is Malik for all future purposes

NAME CHANGE
I No. 3008651N.Rank HAV Name PATIL DIPAK RAMLAL (5 RAJPUT C/o 56 APO) presently residing at Vill- Nipane, PO- Badarakha, Teh-Pachora, Dist. Jalgaon State-Maharashtra, Pin 424104 have changed my minor Son name from KARAN to PATIL KARAN DIPAK and his correct Date of Birth is 03/05/2014. Vide affidavit dated 21.11.22 Pachora India.

NAME CHANGE
I, AKHILESH S/O KESHAV PRASAD Residing at 7057/6 MATA RAMESHWARI NEHRU NAGAR KAROL BAGH DELHI-110005 have changed my name to AKHILESH AHIRWAK for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHASHI KANT KUMAR KASHYAP S/o RAMADHAR SINGH, Flat No. -306 , DDA Janta Flat, Pul Pehladpur, Badarpur, South Delhi, Delhi - 110044 have changed the name of minor Daughter MAHI KUMARI aged 15 years and she shall hereafter be known as MOHI.

NAME CHANGE
I, BABY CHANDRA W/o MAHESH CHANDRA, residing at A-167, Gali No.-9, Rajveer Colony, Gharoli Extn. Gharoli, East Delhi, Delhi-110096, have changed the name of my minor Son PRINCE, aged 15 years and he shall hereafter be known as PRATEEK CHANDRA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Parveen Kumar Pawar S/o late Shri D R PAWAR, R/o H. No. C-32, LIG, DDA, Flat, Dwarka, Sector-7, Pocket-2, South-West, Delhi-110075, declare that name of mine and my minor son and my minor daughter has been wrongly written as Parveen Kumar Panwar and Mayank Panwar and Aastha Panwar in my minor son Mayank pawar aged 14 years in his school Records, and my minor daughter Aastha Pawar aged 11 years in her school Records. The actual name of mine and my son and my daughter are Parveen Kumar Pawar and Mayank pawar and Aastha Pawar which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्री अनिल पुत्र श्री दयाचन्द व श्रीमती उषा पत्नी अनिल निवासी मकान नं0 54, ओल्ड चन्द्रावल, खैबर पास, सिविल लाईस, उत्तरी दिल्ली-110054 ने अपने पुत्र मोहित को उसके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर कोई व्यक्ति भविष्य में उपरोक्त पुत्र से किसी प्रकार का लेन-देन, नैतिक, अनैतिक व्यवहार रखता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा, इसमें मेरे मुविक्कलो एवं मेरे मुवक्किलों का कोई लेना देना नहीं होगा और ना ही किसी प्रकार की जबाव देही होगी।
प्रेम शंकर सिहं अधिवक्ता।
अधिवक्ता कक्ष (कॉमन हॉल), जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as PANKAJ KUMAR DHOBI alias PANKAJ DHANETIYA S/O RAM SWAROOP R/O present Adress F-265,JJ COLONY, Sahyog Vihar ,Uttam Nagar new Delhi-110059 ,Parmanent adress- Vpo-Panchudala,Teh- Kotputli Dist-Jaipur ,Rajasthan- 303110 have changed my name and shall hereafter be known as PANKAJ DHANETIYA .

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mrs. Kamlesh who is the owner of the Plot No.1, area measuring 714 Sq. Ft., i.e., 79.33 Sq. Yards i.e. 66.35 Sq. Meters, bearing Khasra No.311 Min, situated at Village Chamari, in the Nagar Palika hapur, Tehsil and Dist. Hapur, U.P.-245101 owner vide Sale Deed dated 26.11.2021 vide Doc No. 8874 executed by Mrs. Mamta and same property to be financed by Hinduja Housing Finance Ltd. having its Office Address at 306, on Third Floor, RG Square Complex, I.P. Extension, Delhi-110092. That, Original Sale Deed dated 27.06.2009 executed in favour of Mrs. Reena Rani in respect of the said property, as Doc No.8588, Volume No.6125, in Book No.1, on Page No.362-375, reg. on 27.06.2009, in SR-Hapur has been lost/misplaced and FIR for the same lodged vide FIR dated 12.03.2024 L.A.R. No.20240000195211.
If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within a week from the date of this notice on below mentioned address, falling which the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P. (9971333512)

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAKESH KUMAR RAI S/o RAM KUMAR RAI, R/o Present Address - House No. 337/2, Master Mohalla, Tughlakabad, Village Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, Permanent Address- Ward No.1, VPO Sarairanjan, Dist Samastipur, Bihar-848127, declare that name of my minor son has been wrongly written as AASHISH in my minor son AASHISH KUMAR RAI, aged 15 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my minor Son is AASHISH KUMAR RAI respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as MOHD ALSHAMS AHMAD ANSARI S/o SIBGHATULLAH, R/o O-19/2, Batla House Okhla, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as ALSHAMS AHMAD.

NAME CHANGE
I, RAJNI W/O LALIT DAGAR R/O RZ 31 B, BINDAPUR EXTENSION,INDRA PARK,PRAJAPATI COLONY UTTAM NAGAR DWARKA - 110059 have changed my name to RAJNI DAGAR for all future purpose.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. 6499934W Rank NK/ASH Name AMIT KUMAR S/O JAGDISH PRASAD presently residing VILL-UTARI KOYRI TOLA HILSA, PO-HILSA, TEH-HILSA, DIST-NALANDA (BIHAR)-801302, have changed my minor son (ARNAV RAJ) date of birth from 05/08/2019 to 05/08/2017 that my son correct date of birth is 05/08/2017 (Fifth August Two Thousand Seventeen). Vide affidavit dated 11.03.2023 public notary Delhi

PUBLIC NOTICE
My client Shyamlal Sharma S/o Sh. Kundan Lal R/o 143, Near Mangla Puri, Sarai Sohal, Palam Village, New Delhi-110045, has disowned and debarred his sons Shiv Kumar Sharma and & his wife Sunita Sharma & grand children Shikha Sharma and Sachin Sharma, Sunil Kumar Sharma and his wife Pushpa Sharma and grand children Shobha Sharma and Krishna Sharma & Late Anil Kumar Sharma & his wife Rakhi and grand children Anjali from his all movable, immovable properties and has no relation with them in future. My client and his other family members shall not be responsible for their any civil and criminal acts & deeds.
PAWAN GUPTA ADVOCATE
CH.NO.482 SAKET COURT NEW DELHI 110017

NAME CHANGE
I, Sahabuddin R/o A-31/150 H, GALI NO-3, GURUDWARA MOHALLA, MAUJPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to Sahabuddin Malik for all future purposes

NAME CHANGE
I No. 3008651N.Rank HAV Name PATIL DIPAK RAMLAL (5 RAJPUT C/o 56 APO) presently residing at Vill- Nipane, PO- Badarakha, Teh-Pachora, Dist. Jalgaon State-Maharashtra, Pin 424104 have changed my minor Son name from PATIL YOGESH DEEPAK to PATIL YOGESH DIPAK and his correct Date of Birth is 12/05/2009. Vide affidavit dated 21.11.22 Pachora Maharashtra India.

NAME CHANGE
I, BALJIT SINGH S/o MEHAR SINGH, R/o WZ-H-108, 1st Floor, Gali No. 6, Sant Nagar Extn., Tilak Nagar, New Delhi-110018, have changed the name of my minor son HIMANSHU aged about 16 years and he shall be hereafter known as HIMANSHU MALIK

NAME CHANGE
I hitherto known as ISHIKA D/o BALJIT SINGH, R/o WZ-H-108, 1st Floor, Gali No. 6, Sant Nagar Extn., Tilak Nagar, New Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as ISHIKA MALIK.

NAME CHANGE
I, PRABHJEET SINGH BEDI S/o NARINDER PAL SINGH BEDI R/o BN-16, West Shalimar Bagh, Delhi-110088, have changed the name of my minor daughter GURNAAZ BEDI aged about 17 years and she shall be hereafter known as GURNAAZ KAUR BEDI.

NAME CHANGE
I hitherto known as SURENDER S/o RATTAN SINGH, residing at Flat No. 98, Vidya Vihar, West Enclave, Near Police Line, Outer Ring Road, Pitampura, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi-110034, have changed my name and shall hereafter be known as SURENDER DHANDHI.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GUDIYA DEVI W/o PRADEEP MISHRA, R/o B-2/347C, Tara Nagar, Kakrola, South West Delhi-110078, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as GUDIA and PARDEEP MISHRA, in my minor son's namely TANISH aged 14 years in his Birth Registration Certificate No. MCDOLR10108016. The actual name of mine and my husband are GUDIYA DEVI and PRADEEP MISHRA respectively.

दुखद: हरियाणवी सिंगर अमित सैनी के बेटे की सड़क हादसे में मौत, ट्यूशन से चाचा के साथ आ रहा था घर

रोहतक . हरियाणा के रोहतक जिले में हरियाणवी सिंगर अमित सैनी रोहतकिया के बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह शनिवार शाम को ट्यूशन पढ़कर स्कूटी पर चाचा के साथ घर लौट रहा था। रास्ते में स्कूटी पिकअप से टकरा गई। मृतक बच्चे की पहचान 9 वर्षीय मन्नत के रूप में हुई है। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में ले लिया है। आज उसका पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक रोहतक के अशोक विहार निवासी साहिल ने शिकायत में बताया कि उसके बड़े भाई अमित सैनी के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा मन्नत और छोटा लड़का यमन है। शनिवार शाम को उसका भतीजा मन्नत ट्यूशन पढ़ने के लिए गया था। ट्यूशन के बाद वह भतीजे को सुखपुरा चौक से अपनी स्कूटी पर लेकर घर आ रहा था। तभी आगे-आगे एक पिकअप गाड़ी चल रही थी। ड्राइवर पिकअप को तेज रफ्तार में और लापरवाही से चला रहा था। इस बीच ड्राइवर ने पिकअप को धीमा करके अचानक उसकी तरफ मोड़ दिया। उसने बचने के लिए स्कूटी के ब्रेक भी लगाए, लेकिन पिकअप के पीछे स्कूटी टकरा गई। हादसे के बाद दोनों नीचे गिर गए। उसे मामूली चोट आई। वहीं भतीजे मन्नत के सिर में काफी गहरी चोट थी और खून निकल रहा था। हादसे के बाद पिकअप ड्राइवर मौके से गाड़ी छोड़कर भाग गया। वहीं घायल मन्नत को इलाज के लिए रोहतक पीजीआई में लाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बड़ा हादसा: गली में खेल रहे बच्चों पर गिरा मकान का छज्जा, एक मासूम की गई जान

फरीदाबाद . फरीदाबाद जिले के नंगला एनक्लेव पार्ट वन में शनिवार की देर शाम जर्जर मकान का छज्जा भरभरा कर गली में खेल रहे बच्चों के ऊपर गिर गया। मलबे में दबकर सात साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पड़ोसी वीर सिंह ने बताया कि नंगला एनक्लेव पार्ट-1 प्रेम वाली गली में एक मकान काफी जर्जर हालत में है। जिसमें किराएदार भी रह रहे हैं। गली के छोटे बच्चे मकान के पास खेल रहे थे। जिनमें सात वर्षीय फैजान पुत्र अकरम और छह वर्षीय जैद पुत्र फारुख मकान के पास खेल रहा था। वीर सिंह ने बताया कि दोनों बच्चे ट्यूशन पढ़ने के बाद घर से बाहर खेलने के लिए निकले थे। कुछ देर बाद ही जोरदार धमाका हुआ। जब गली के बाहर निकाल कर देखा तो मकान का छज्जा नीचे खेल रहे बच्चों के ऊपर गिरा हुआ था। अन्य बच्चों ने बताया कि मलवे के नीचे दो बच्चे दबे हैं। पड़ोसियों ने तुरंत ही एक दूसरे की मदद से मलवे से दोनों बच्चों को बाहर निकाला और सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने फैजान को मृत घोषित कर दिया।

कांग्रेस कल कर सकती है उम्मीदवारों की घोषणा

चंडीगढ़. लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आदर्श चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गई है। ऐसे में अब सरकार किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की ट्रांसफर नहीं कर सकेगी। बहुत जरूरी होने पर चुनाव आयोग की परमिशन के बाद ट्रांसफर हो सकेगी। दूसरी ओर, प्रदेश के लोगों की नजरें प्रत्याशियों पर टिकी हैं। कांग्रेस ने अब तक अपने हिस्से की एक भी सीट पर उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 18 मार्च को होगी। बैठक के बाद हरियाणा के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी हो सकती है। प्रदेश में यह पहला मौका है, जब कांग्रेस गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। गठबंधन समझौते के तहत कांग्रेस ने कुरुक्षेत्र सीट आम आदमी पार्टी को दी है।

आप की ओर से पार्टी प्रदेशाध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता को प्रत्याशी घोषित किया हुआ है। माना जा रहा है कि कांग्रेस लोकसभा की नौ सीटों पर जातिगत व क्षेत्रीय समीकरण साधने की कोशिश में जुटी है। इसी वजह से टिकटों का फैसला करने में देरी हो रही है। स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन भगत चरण दास द्वारा सभी नौ सीटों के लिए पैनल तैयार करके केंद्रीय चुनाव समिति को भेजे जा चुके हैं। अब सभी की नजरें 18 मार्च को होने वाली बैठक पर लगी हैं।

सत्तारूढ़ भाजपा 6 सीटों- करनाल, अंबाला, सिरसा, भिवानी-महेंद्रगढ़, गुरुग्राम व फरीदाबाद से अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। 4 सीटों- रोहतक, सोनीपत, हिसार और कुरुक्षेत्र सीट पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। भाजपा ने करनाल से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को प्रत्याशी बनाया। यहां से मौजूदा सांसद संजय भाटिया का टिकट काटा है। सिरसा से मौजूदा सांसद सुनीता दुग्गल का टिकट काट कर पूर्व सांसद अशोक तंवर को मैदान में उतारा है। अंबाला में पूर्व सांसद स्व. रतनलाल कटारिया की पत्नी बंतो कटारिया को टिकट दिया है। बाकी तीन सीटों पर पुराने चेहरों पर ही पार्टी ने भरोसा जताया है। गुरुग्राम से राव इंद्रजीत सिंह, फरीदाबाद से कृष्णपाल गुर्जर और भिवानी-महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिंह को लगातार तीसरी बार टिकट मिला है।

अटेली को उपमंडल का दर्जा न मिलने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मंडी अटेली. अटेली को उपमंडल का दर्जा दिलाने समेत कई अन्य मांगों के समर्थन में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बजाड़ गांव में प्रदर्शन किया। बसपा नेता अतरलाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी कर हलके की मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अतरलाल ने राज्य सरकार पर अटेली हलके की मांगों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी अटेली को उपमंडल का दर्जा, दौंगड़ा अहीर को उपतहसील बनाने, अटेली हलके में आईएमटी स्थापित करने, युवाओं के लिए बहुउद्देशीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खेल स्टेडियम बनाने की मांग कर रही है। इसके अलावा उनकी स्पोर्टस स्कूल तथा साईं सेंटर खुलवाने की भी मांग है। परन्तु सरकार लोगों की मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है।

युवा प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री राकेश यादव ने नौकरियों, नहरी पानी व विकास कार्यों में अटेली हलके के साथ हो रहे भेदभाव का मुद्दा उठाते हुए आने वाले विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अतरलाल को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

इस दौरान सैनिक प्रकोष्ठ के प्रधान भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ, अश्वनी, सतप्रकाश, हीरालाल, विजय सिंह, बाबूलाल, प्रदीप कुमार, राकेश, रोताश, चेतनस्वरूप, प्रमानंद, संजीव कुमार, राजबाला, अंगूरी देवी, संगीता मौजूद रहे।

9 हजार से अधिक शिक्षकों को मिले मनचाहे स्कूल

चंडीगढ़. हरियाणा के 2017 बैच के जेबीटी शिक्षकों से किए वादे को प्रदेश सरकार ने पूरा कर दिया है। 9 हजार से अधिक शिक्षकों को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत मनचाहे स्कूलों में पोस्टिंग मिली है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पिछले कई दिनों से इसकी प्रक्रिया शुरू की हुई थी। अब ये शिक्षक अपने चयनित स्कूलों में ज्वाइन कर सकेंगे। चूंकि यह प्रक्रिया पहले से चल रही है, ऐसे में शिक्षकों की ज्वाइनिंग में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। इससे पहले, सरकार जेबीटी शिक्षकों को स्थाई जिले अलॉट कर चुकी है। वर्तमान में इन शिक्षकों को अभी अस्थाई स्कूल मिले हैं। चुनावों के बाद ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव में इन शिक्षकों को भी शामिल किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जेबीटी शिक्षकों की बरसों पुरानी चली आ रही इस मांग को लेकर काफी गंभीर थे। उनके निर्देशों के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने यह प्रक्रिया शुरू की थी। पूर्व की हुड्डा सरकार ने जेबीटी के 9870 पदों को भरने के लिए भर्ती की थी। अगस्त-2014 में चयनित शिक्षकों की लिस्ट कर्मचारी चयन आयोग ने जारी की थी। इसके बाद हरियाणा विधानसभा चुनावों की घोषणा के चलते शिक्षकों की ज्वाइनिंग नहीं हो पाई। मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में पहुंचा। मनोहर सरकार ने 2017 में सभी जेबीटी शिक्षकों को ज्वाइन करवाया। इतना नहीं, हाईकोर्ट के फैसले के चलते चयनित शिक्षकों की संख्या बढ़कर 12 हजार से अधिक हो गई। हालांकि इनमें से काफी प्रमोट हो चुके हैं और कुछ नौकरी छोड़कर जा चुके हैं।

पदाधिकारियों से लोकसभा चुनाव को लेकर मंथन में जुटी जजपा

चंडीगढ़. लोकसभा चुनाव को लेकर जननायक जनता पार्टी (जजपा) का निरंतर लोकसभा स्तर की बैठकों का दौर जारी है। शनिवार को जजपा ने नयी दिल्ली में सोनीपत और गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया और चुनाव को लेकर रणनीति बनाई। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं जजपा के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने दोनों पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने लोकसभा चुनाव के बारे में अपने आवश्यक सुझाव दिए। दुष्यंत ने भारतीय चुनाव आयोग द्वारा देशभर में लोकसभा चुनाव घोषित किए जाने का स्वागत किया और कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का सभी इंतज़ार कर रहे थे। दुष्यंत ने कहा कि 25 मई को हरियाणा में मतदान होना जजपा के लिए अच्छा साबित होगा, क्योंकि पार्टी के मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए 70 दिन का वक्त मिला है।

उन्होंने कहा कि बदली परिस्थितियों में जजपा कार्यकर्ता 70 दिन मेहनत कर पार्टी के उम्मीदवारों को लोकसभा में भेजें। रविवार को जजपा फरीदाबाद और रोहतक लोकसभा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेगी और उनकी राय जानेगी। इससे पहले शुक्रवार को चंडीगढ़ में दुष्यंत चौटाला कुरुक्षेत्र और अंबाला लोकसभा के पार्टी पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर चुके हैं।

सफाई व्यवस्था का हाल बेहाल खमियाजा भुगत रहे दुकानदार

चरखी दादरी. पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान ने कहा कि बाजारों में सफाई व्यवस्था की बदहाली का दुकानदारों को खमियाजा भुगतना पड़ रहा है। बारिश से पहले इन बिगड़े हालातों को लेकर प्रशासन को कड़ा संज्ञान लेना चाहिए, ताकि आमजन के साथ दुकानदारों को भी परेशानियां ना हो सकें। पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान ने शनिवार को शहर के पुराना बस स्टैंड, रेलवे रोड व पुराना शहर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और आमजन से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने मौके पर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ जगदीश, जेई जावला व जसवंत को बुलाते हुए समस्याओं बारे अवगत करवाते हुए समाधान करने की बात कही। साथ ही डीसी मनदीप कौर व आला अधिकारियों से फोन पर बात कर समस्याएं बताते हुए जल्द समाधान करवाने की मांग की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सप्ताहभर में सफाई व्यवस्था को बहाल करवा दिया जाएगा। इस अवसर पर पवन गर्ग, जयभगवान मस्ताना, लक्ष्मण, राजल, बनवारी लाल, रमन, श्रीकृष्ण और महिपाल मौजूद रहे।

दिनभर चलती रही भागदौड़, कई बार बदला समय, पर नहीं हुई 'शपथ'

चंडीगढ़. लोकसभा के चुनावों का ऐलान हो गया, लेकिन हरियाणा मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो पाया। दिनभर मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भागदौड़ चलती रही और लगातार बैठकें भी चली, लेकिन आखिर में तय हुआ कि शनिवार को विस्तार नहीं हो पाएगा। कई विधायकों को चंडीगढ़ बुलाया गया था। उनके परिजन व रिश्तेदार भी चंडीगढ़ पहुंच गए थे। मंत्रिमंडल विस्तार का समय बार-बार बदलता रहा, लेकिन आखिर में विधायकों को निराशा हाथ लगी।

मनोहर लाल ने 12 मार्च को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इसी दिन नायब सैनी को सीएम बनाया गया। सीएम के साथ 5 मंत्रियों- कंवर पाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, चौ. रणजीत सिंह, जेपी दलाल और डॉ. बनवारी लाल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इसी दिन तय हो गया था कि मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि कैबिनेट में न तो कोई पंजाबी है, न वैश्य और न ही यादव व राजपूत समाज से किसी को प्रतिनिधित्व मिला है।

शुक्रवार को पार्टी नेतृत्व ने सीएम नायब सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को नयी दिल्ली भी बुलाया था। शनिवार को नायब सैनी और मनोहर लाल चंडीगढ़ लौट आए। शुक्रवार की रात ही कई विधायकों को फोन करके सुबह चंडीगढ़ आने को कहा गया। बताते हैं कि राजभवन में भी संदेशा भेजा गया। हालांकि, राजभवन में इस बार कोई पंडाल नहीं लगाया गया। इस तरह की तैयारी थी कि कैबिनेट विस्तार हॉल में ही किया जाएगा। सुबह 11 बजे ही राजभवन में हलचल शुरू हो गई थी।

इस दौरान सरकार के अधिकारियों का भी राजभवन आना शुरू हुआ। साढ़े 11 बजे के करीब मंत्री कार सेक्शन की 5 गाड़ियां भी राजभवन पहुंची, लेकिन वे तुरंत गेट से ही वापस लौट गई। गृह विभाग के सचिव-।। महावीर सिंह भी राजभवन पहुंचे। इस दौरान सीएम और पूर्व सीएम के बीच भी काफी देर तक बैठकें चलती रहीं। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद पहले मुख्यमंत्री आवास पर नायब सिंह सैनी से मिले। इसके बाद वे राजभवन आए और काफी देर रुकने के बाद वापस लौट गए।

इसके बाद यह सुनने में आया कि मंत्रिमंडल का विस्तार दोपहर एक बजे हो सकता है। राजभवन के बाहर सिक्योरिटी बढ़ाने से इसकी संभावना भी नजर आने लगी। तीन बजे भारत के चुनाव आयोग की प्रेस कांफ्रेंस थी। ऐसे में फिर दो से ढाई बजे के दौरान नये मंत्रियों को शपथ दिलाए जाने की खबरें आईं, लेकिन विधायकों का यह इंतजार भी किसी काम नहीं आया। आखिर में यह तय हो गया कि फिलहाल मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं किया जाएगा।

अनिल विज की नाराजगी बड़ा कारण

पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज 12 मार्च से ही नाराज चल रहे हैं। वे नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने से खुश नहीं बताए जाते। हालांकि, विज ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में स्पष्ट तौर पर कहा कि वे नाराज नहीं हैं। उन्होंने इस तरह की खबरों को भी सिरे से नकार दिया कि उन्हें मनाने की कोशिश की जा रही है। विज का कहना है कि 12 मार्च को मुख्यमंत्री की शपथ होने के बाद से अब तक उनसे किसी ने कोई बात नहीं की है। इस दौरान वे विधानसभा में विश्वास मत के लिए भी पहुंचे थे। सूत्रों का कहना है कि विज के कैबिनेट में नहीं होने की वजह से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है, इस तरह का अंदेशा केंद्रीय नेतृत्व को था। कैबिनेट विस्तार रुकने के पीछे यह भी बड़ा कारण माना जा रहा है।

राव इंद्रजीत चर्चाओं में

भाजपा गलियारों में चर्चा है कि पार्टी नांगल-चौधरी से विधायक अभय यादव को कैबिनेट में शामिल करना चाहती थी, लेकिन राव इंद्रजीत इसका विरोध कर रहे हैं। लगभग दो साल पहले जब मनोहर कैबिनेट का विस्तार हुआ तो उस समय भी अभय यादव का नाम मंत्री पद के लिए आया था। लेकिन इंद्रजीत ओपी यादव कैबिनेट में बनाए रहने में कामयाब रहे थे। इस बार भी इंद्रजीत ओपी यादव को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने के पक्ष में थे।

निर्दलीयों का दबाव

कैबिनेट के संभावित विस्तार में जिन विधायकों के नाम आ रहे थे, वे अधिकांश भाजपा के थे। सरकार 6 निर्दलीय और सिरसा से हलोपा विधायक गोपाल कांडा के समर्थन से चल रही है। जब निर्दलीय विधायकों को पता लगा कि उनका नाम कैबिनेट के लिए नहीं है तो उन्होंने दबाव बनाना शुरू कर दिया। विधायक सोमबीर सांगवान व धर्मपाल गोंदर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। विधायक नयनपाल रावत भी कई दिनों से चंडीगढ़ डटे हुए हैं। इसी तरह से भाजपा विधायकों का भी दबाव देखने को मिला। कई ऐसे विधायक हैं, जो कैबिनेट में शामिल होने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं।

मंत्रिमंडल में शामिल होने वालों में ये नाम

कैबिनेट में शामिल किए जाने वाले विधायकों में विधायक सीमा त्रिखा, सोहना के संजय सिंह, सिरसा के गोपाल कांडा, रतिया के लक्ष्मण पाना, नारनौल के ओपी यादव के नाम चर्चाओं में थे। इसके बाद अभय यादव का नाम भी चर्चा में आया।

रोहतक पहुंचे पट्टाचार्य श्री 108 श्रुत सागर महाराज

रोहतक. दिल्ली से पैदल मंगल विहार करते हुए 108 विद्यानन्द जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पट्टाचार्य श्री 108 श्रुत सागर जी महाराज ससंघ का शनिवार प्रातः सेक्टर-1 में स्थित श्री 1008 भगवान पारसनाथ दिगंबर जैन गजरथ मंदिर में गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि दिल्ली बाईपास से श्रद्धालुओं ने अपने घरों के आगे महाराज जी की आरती उतारी तत्पश्चात श्री 1008 भगवान पारसनाथ दिगंबर जैन गजरथ मंदिर में पहुंचे। यूपीएस लक्ष्मी के डायरेक्टर विजय जैन, एलपीएस बोसार्ड के प्रबंध निदेशक राजेश जैन, दीपा जैन, संध्या जैन, स्मृद्धि जैन, चारू जैन, अमित जैन एवं परिवार के सदस्यों ने उनका पद-प्रक्षालन किया व आरती उतारी। महाराज जी ने सभी श्रद्धालुओं को अपना मंगल आशीर्वाद दिया। पट्टाचार्य श्री 108 श्रुत सागर जी महाराज ससंघ सैक्टर-1 में स्थित श्री 1008 भगवान पारसनाथ दिगंबर जैन गजरथ मंदिर में विराजमान रहेंगे।

सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं एलपीएस बोसार्ड के प्रबंध निदेशक राजेश जैन ने बताया कि श्री सिद्ध चक्र विधान 17 मार्च से शुरू होकर 25 मार्च तक की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। 17 मार्च को सांय पट्टाचार्य श्री 108 श्रुत सागर जी महाराज के सानिध्य में सायं 6.30 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा।

अमेरिका अडानी समूह के खिलाफ घूस देने की आशंका की जांच कर रहा, कंपनी ने कहा- हमें जानकारी नहीं

नई दिल्ली. अमेरिका ने भारत के अडानी समूह की अपनी जांच का दायरा बढ़ाया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कंपनी के संस्थापक गौतम अडानी और कंपनी रिश्वतखोरी में शामिल हैं या नहीं। ब्लूमबर्ग न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।रिपोर्ट में मामले के बारे प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से दावा किया गया है कि अभियोजक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या गौतम अडानी सहित अडानी समूह की किसी इकाई या कंपनी से जुड़े लोगों ने एक ऊर्जा परियोजना के लिए भारत में अधिकारियों को भुगतान किया है?

रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की धोखाधड़ी इकाई यह जांच कर रही है। इसके साथ ही भारतीय अक्षय ऊर्जा कंपनी एज्यूर पावर ग्लोबल पर भी नजर रखी जा रही है। अडानी समूह ने इस मामले में बताया, हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है।अडानी समूह के शेयरों और बांडों में पिछले साल की शुरुआत में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई थी। उस समय अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें समूह पर खातों में गड़बड़ी, स्टॉक्स में हेरफेर और टैक्स हेवन के उपयोग का आरोप लगाया गया था। हालांकि, भारतीय कंपनी ने इन आरोपों से इनकार करती रही है।

इंसान नहीं, रोबोट कर रहा काम, बीते 10 वर्षों में बदली चीन की तस्वीर; बेरोजगारी की ओर बढ़ रहा देश

नई दिल्ली. क्या मशीन इंसानों की जगह ले सकती है? यह सवालों लंबे समय से बहस का मुद्दा बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर, एआई टेक्नोलॉजी का तेजी से विकास इंसानों की नौकरियों पर खतरा बनता नजर आ रहा है।विकसित ही नहीं, विकासशील देशों में भी इसका प्रभाव देखने को मिला है। बीते 10 सालों में विकासशील देशों की तस्वीर बदली हैं।

10 वर्षों में बदली चीन की तस्वीर

विश्व अर्थव्यवस्था रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहने वाले देश चीन की ही बात करें तो ऑटोमेशन के साथ पिछले एक दशक में यहां की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है।चीन की वर्तमान स्थिति को लेकर अमेरिकी थिंक टैंक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इन्नोवेटिव फाउंडेशन (आईटीआईएफ) की एक लेटेस्ट रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में चीन को लेकर कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

बेरोजगारी की वजह बन रहे हैं रोबोट

इस रिपोर्ट के मुताबिक रोबोट की वजह बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है और इसका सबसे ज्यादा प्रभाव चीन पर पड़ा है।चौंकाने वाले तथ्यों में सामने आया है कि जानकारों ने अलग-अलग उद्योंगों में काम कर रहे रोबोटों की संख्या का जिनता अनुमान लगाया था वह इससे 12.5 गुना ज्यादा है।ऑटोमेशन की ओर बढ़ रहे चीन की स्थिति ऐसी है कि यहां लगभग हर उद्योग में इंसान की जगह रोबोट काम कर रहे हैं।सबसे चौंकाने वाले तथ्यों में एक यह कि दुनिया भर के उद्योगों में काम करने वाले कुल रोबोटों का 52 प्रतिशत चीन में कार्यरत हैं।आईटीआईएफ के अध्यक्ष और इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले रॉबर्ट डी एटकिंसन कहते हैं कि रोबोटों की यह संख्या पिछले 10 वर्षों में बढ़ी है। एक दशक पहले रोबोटों की यह संख्या 14 थी।

रोबोट को लेकर अमेरिका की स्थिति

विश्व अर्थव्यवस्था रैंकिंग 2024 के अनुसार सबसे अधिक जीडीपी राशि वाले देशों की सूची में 105 ट्रिलियन डॉलर में अमेरिका शीर्ष स्थान पर है।

चीन दूसरे विकसित देशों पर है निर्भर

रिपोर्ट की मानें तो चीन की रोबोट इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर के लिए अभी भी आत्मनिर्भर नहीं है।

आंध्र प्रदेश और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल, जानिए कहां है सबसे सस्ता

केंद्र सरकार ने हाल में पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर दो रुपये की राहत दी है। लेकिन इसके बावजूद देश के कई राज्यों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से अधिक है। देश में सबसे महंगा पेट्रोल आंध्र प्रदेश और केरल में है। बीजेपी की सरकार वाले कई राज्यों में भी यह काफी महंगा है।

नई दिल्ली.देश में हाल में पेट्रोल और डीजल की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। केंद्र सरकार ने आम चुनावों से पहले एक्साइज ड्यूटी में यह राहत दी है। इस कटौती से लोगों को कुछ राहत मिली लेकिन वैट ज्यादा होने का कारण कई राज्यों में अब भी पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है। इस समय देश में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में पेट्रोल और डीजल सबसे महंगा है। वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में वाहन ईंधन के दाम सबसे कम हैं। उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) की दरों में अंतर की वजह से विभिन्न राज्यों में वाहन ईंधन कीमतों में भिन्नता होती है।

वाई एस जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सरकार के शासन वाले आंध्र प्रदेश में पेट्रोल सबसे महंगा 109.87 रुपये प्रति लीटर है। इसके बाद लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) शासित केरल का नंबर आता है। वहां एक लीटर पेट्रोल 107.54 रुपये में बिक रहा है। कांग्रेस शासित तेलंगाना में पेट्रोल की कीमत 107.39 रुपये प्रति लीटर है। बीजेपी शासित राज्य भी पीछे नहीं हैं। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल की कीमत 106.45 रुपये प्रति लीटर, बिहार की राजधानी पटना में 105.16 रुपये, राजस्थान की राजधानी जयपुर में 104.86 रुपये और मुंबई में 104.19 रुपये प्रति लीटर है। बिहार में जेडी-यू के साथ बीजेपी के गठबंधन वाली सरकार है।

कहां है सबसे सस्ता पेट्रोल

ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर है। आंकड़ों के अनुसार, जिन अन्य राज्यों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है उनमें ओडिशा (भुवनेश्वर में 101.04 रुपये प्रति लीटर), तमिलनाडु (चेन्नई में 100.73 रुपये) और छत्तीसगढ़ (रायपुर में 100.37 रुपये) शामिल हैं। दूसरी ओर अंडमान और निकोबार द्वीप में पेट्रोल सबसे सस्ता है जहां यह 82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद सिलवासा और दमन है जहां यह 92.38-92.49 रुपये प्रति लीटर है। अन्य छोटे राज्यों में भी पेट्रोल सस्ता है। इनमें दिल्ली (94.76 रुपये प्रति लीटर), पणजी (95.19 रुपये), आइजोल (93.68 रुपये) और गुवाहाटी (96.12 रुपये) शामिल हैं।डीजल कीमतों की बात की जाए, तो आंध्र प्रदेश के अमरावती में यह ईंधन 97.6 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में यह 96.41 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में 95.63 रुपये और रायपुर में 93.31 रुपये प्रति लीटर है। भाजपा शासित महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बिहार में डीजल का दाम 92 से 93 रुपये प्रति लीटर है। ओडिशा और झारखंड में भी डीजल का दाम इतना ही है। अंडमान और निकोबार द्वीप में डीजल सबसे सस्ता है जहां यह लगभग 78 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। महानगरों में दिल्ली में वैट सबसे कम है। दिल्ली में डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है, जबकि गोवा में इसकी कीमत 87.76 रुपये प्रति लीटर है। ईंधन कीमतों में कटौती पर गोल्डमैन सैश ने कहा है कि सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों का शुद्ध विपणन मार्जिन 1.7-2.7 रुपये प्रति लीटर से घटकर 80-90 पैसे प्रति लीटर रह जाएगा।

एक बोरा नोट में एक थैली सामान... सालभर में चार गुना गिर चुकी है करेंसी, किस देश का हुआ है ऐसा बुरा हाल?

नई दिल्ली. अर्जेंटीना की गिनती कभी दुनिया के सबसे अमीर देशों में होती थी। इस देश की अमीरी का अंदाजा इसी बात से ही लगाया जा सकता है कि As rich as an Argentine जैसे मुहावरे चलन में थे। 19वीं शताब्दी के अंत में और 20वीं सदी की शुरुआत में पूरे यूरोप से लोग अर्जेंटीना आए। लेकिन आज अर्जेंटीना की हालत यह है कि लोग एक बोरा भर कर नोट ले जाते हैं और एक थैली में सामान लाते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा महंगाई इसी देश में है। देश में महंगाई की दर 276त्न है। देश की करेंसी पेसो की कीमत डॉलर के मुकाबले पिछले एक साल में चार गुना से ज्यादा गिर चुकी है। आज एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 850 पेसो है। अगर भारतीय रुपये में देखा जाए तो एक रुपया अर्जेंटीना के 10.26 पेसो के बराबर है। देश के पास कैश रिजर्व नहीं है, सरकार पर भारी कर्ज है जबकि 40 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे रह रही है।

धुर दक्षिणपंथी नेता जेवियर मिलेई की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले साल कमान संभाली थी। इसके कुछ ही दिन बाद दिसंबर में सरकार ने देश को कई दशकों से जारी गंभीर आर्थिक संकट से उबारने के लिए बड़ी घोषणा की थी। वित्त मंत्री लुई कैपूतो ने कहा था कि देश की करेंसी पेसो का 50त्न से अधिक अवमूल्यन होगा। इससे एक डॉलर की कीमत एक झटके में 800 पेसो से अधिक हो गई। मिलेई ने अपने चुनाव प्रचार अभियान में कहा था कि देश को आर्थिक बदहाली से बाहर निकालने के लिए कुछ सख्त कदम उठाने होंगे और इसकी शुरुआत पेसो के अवमूल्यन से होगी। सरकार ने साथ ही सरकार ने अपने खर्च में भी भारी कटौती की घोषणा की थी। इनमें फ्यूल और ट्रांसपोर्ट सब्सिडी को खत्म करने शामिल था।

कभी रसोई की शान था केरोसिन, फिर यह घर और बाजार से गायब क्यों हो गया?

नई दिल्ली. एक वक्त था, जब केरोसिन यानी मिट्टी का तेल या फिर घासलेट गांव के हर घर का जरूरी हिस्सा था। लालटेन से लेकर खाना पकाने वाले स्टोव तक इसका इस्तेमाल होता था। फणीश्वरनाथ रेणु ने अपनी कहानी पंचलाइट में भी केरोसिन का जिक्र बड़ी खूबसूरती से किया है। इसे सरकारी राशन की दुकानों पर रियायती दाम पर भी बेचा था। लेकिन, अब यह बाजार में खोजने पर भी नहीं मिलता।लेकिन पिछले एक दशक में तस्वीर बिल्कुल बदल गई है। अब तो रसोई से केरोसिन का डिब्बा बिल्कुल ही गायब हो गया है। सरकारी आंकड़े भी यही बताते हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की लेटेस्ट रिपोर्ट 2024 बताती है कि 2013-14 से 2022-23 के बीच मिट्टी के तेल की खपत में सालाना आधार पर करीब 26 फीसदी भारी गिरावट आई है।

क्यों घटा केरोसिन का इस्तेमाल?

केरोसिन काफी किफायती था, लेकिन दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की तरह इससे भी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता था। ऐसे में जब सरकार ने क्लीन एनर्जी को बढ़ावा दिया,

तो उसकी पहली मार केरोसिन पर पड़ी। लोग खाना पकाने के लिए केरोसिन से अधिक गैस सिलेंडर को तरजीह देने लगे।केरोसिन का उजाला देने वाले लालटेन, पेट्रोमैक्स या फिर सामान्य दीये में भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल था। लेकिन, सरकार ने घर-घर बिजली पहुंचाने वाली योजना चलाई। इमरजेंसी लाइट, इनवर्टर और सोलर पैनल जैसे वैकल्पिक उपायों का भी चलन बढ़ा। इससे लोगों की केरोसिन पर निर्भरता ना के बराबर हो गई।

केरोसिन के ताबूत में आखिरी कील थी उस पर मिलने वाली सब्सिडी का खत्म होना। सरकार ने 2019 में राशन की दुकानों पर केरोसिन की बिक्री बंद कर दी। साथ ही इस सब्सिडी भी खत्म कर दी। इससे खुले बाजार में केरोसिन का भाव आसमान पर पहुंच गया।

रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रहा है देश में कंडोम का बाजार, जान लीजिए क्या है वजह

नई दिल्ली. देश में कंडोम के बिजनस में काफी तेजी देखने को मिल रही है। 2023 में इसका मार्केट पिछले पांच साल में सबसे तेजी से बढ़ा। पिछले साल इसकी ग्रोथ रेट लगभग डबल रही। डॉटेड, रिब्ड, जर्ट फ्लेवर्ड और रात में चमकने वाले कई तरह के वेरिएंट बाजार में आ गए हैं। इससे देश में कंडोम का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। ताजा IQVIA कंज्यूमर हेल्थ रिटेल ऑडिट डेटा के मुताबिक पिछले साल देश में कंडोम का मार्केट साइज 1,755 करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023 में इसमें वैल्यू के हिसाब से 13त्न की तेजी देखने को मिली जो पांच साल में सबसे ज्यादा है। साल 2022 में देश में कंडोम का मार्केट 7 की दर से बढ़ा था।

कंपनियों ने कहा कि कंडोम को लेकर लोगों की सोच बदल रही है। अब केवल प्रोटेक्शन तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि लोग अपने एक्सीरियंस को बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। मैनफोर्स ब्रांड के कंडोम बनाने वाली कंपनी मैनकाइंड के एमडी और वाइस चेयरमैन राजीव जुनेजा ने कहा, कंडोम हमेशा सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेचे जाते थे और युवाओं को लगता था कि यह उत्पाद आनंद में बाधा है। इसलिए इनोवेशन से युवा उपभोक्ताओं को इसकी ओर आकर्षित करने में मदद मिली है। साथ ही महिलाएं भी अब इसमें अपनी पसंद-नापंसद खोज रही हैं। पहले इसका फैसला केवल पुरुष करते थे। मैनफोर्स की भारत के कंडोम बाजार में 30.1% हिस्सेदारी है।

किसकी कितनी हिस्सेदारी

भारतीय मार्केट में Reckitt के ड्यूरेक्स की 14.9% हिस्सेदारी है। टीटीके हेल्थकेयर के ब्रांड स्कोर की 8.5% और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के कामसूत्र की 8त्न हिस्सेदारी है। इस सभी कंपनियों ने कंडोम के कई वेरिएंट्स लॉन्च किए हैं। इनमें अल्ट्राथिन डिजाइन वाले इनविजिबल कंडोम से लेकर वीगन, केमिकल फ्री और cruelty free वेरिएंट शामिल हैं।

देश में सेफ सेक्स से लेकर और फैमिली प्लानिंग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। कंडोम का यूज मुख्य रूप से गर्भनिरोधक और यौन जनित रोगों के संक्रमण से बचने के लिए किया जाता है। हालांकि सेक्स को लेकर प्रचलित मान्यताओं के कारण किसी स्टोर पर कंडोम खरीदना आसान नहीं है।

जिस फाउंटेन में पीएम नरेंद्र मोदी ने उछाला था सिक्का, वहां से निकले 12 करोड़ से अधिक रुपये

नई दिल्ली. जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन 2021 में इटली की राजधानी रोम में हुआ था। उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया था। उस समय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया था जिसमें जी-20 देशों के नेता एक फाउंटेन में सिक्का फेंकते हुए दिख रहे थे। यह रोम का प्रसिद्ध ट्रेवी फाउंटेन है। यहां सिक्का फेंकने की सदियों पुरानी मान्यता है। माना जाता है कि जिसका सिक्का सही जगह पड़ता है, उसे दोबारा रोम आने का मौका मिलता है। हर साल लाखों पर्यटक रोम आते हैं और इस फाउंटेन में सिक्का फेंकते हैं। इन सिक्कों को बाद में इकट्ठा किया जाता है। इन पैसों से एक फूड बैंक, एक सूप किचन और कई वेलफेयर स्कीमें चलती हैं। 2022 में इस फाउंटेन से 15.2 लाख डॉलर यानी 12,59,91,508 रुपये निकले थे।माना जाता है कि ट्रेवी फाउंटेन में सिक्का उछालने वालों की मनोकामना पूरी होती है। इस फाउंटेन में फेंके जाने वाले सिक्कों को कैथोलिक चैरिटी संस्था Caritas के रोम डिवीजन को दिया जाता है। 2022 में इस फाउंटेन से 15.2 लाख डॉलर के सिक्के निकले थे। माना जा रहा है कि 2023 में यह राशि और ज्यादा थी। रोम में ईसाइयों से सबसे बड़े धर्मगुरु पोप बैठते हैं और हर साल करीब 2.1 करोड़ टूरिस्ट इस शहर में आते हैं। ट्रेवी फाउंटेन के आसपास लगाए गए साइनबोर्ड में लिखा है कि फाउंटेन में फेंके गए सिक्कों का इस्तेमाल परोपकारी कार्यों में होता है। दिनरात इस फाउंटेन के आसपास पर्यटकों की भारी भीड़ लगी रहती है। मान्यता है कि अगर आप दाएं हाथ से बाएं कंधे के ऊपर से सिक्का फाउंटेन में उछालते हैं तो आपकी रोम में वापसी होती है। साथ ही लोग सिक्का उछालते समय अपनी विश मांगते हैं।

फाउंटेन का इतिहास

ट्रेवी फाउंटेन 1762 में बनकर तैयार हुआ था। यह सेंट्रल रोम में Palazzo Poli के एक साइड को कवर करता है। इसमें Tritons के स्टेच्यू हैं जो भगवान Oceanus के रथ को रास्ता दिखा रहे हैं। यह पानी के प्रबल प्रवाह को रोकने का एक प्रतीक है। इसी जगह इटली के मशहूर फिल्मकार Federico Fellini ने La Dolce Vita के एक सीन की शूटिंग की थी। इस सीन में हीरो और हीरोइन फाउंटेन में उतरे थे। लेकिन आज इस फाउंटेन में उतरने की मनाही है और ऐसा करने वालों से फाइन वसूला जाता है।अधिकारियों का कहना है कि हफ्ते में दो दिन इस फाउंटेन से सिक्के इकट्ठे किए जाते हैं। महीने में दो बार इस फाउंटेन की सफाई की जाती है। अगर कोई सिक्का फाउंटेन में ज्यादा अंदर चला जाता है तो उसे होजेज से जरिए निकाला जाता है। इन सिक्कों को **Caritas** के स्थानीय ऑफिस में ले जाया जाता है जहां उन्हें एक बड़ी टेबल पर सूखने के लिए रख दिया जाता है। फाउंटेन से सिक्के ही नहीं बल्कि कई बार जूलरी, डेंचर्स, धार्मिक मेडल्स और दूसरी चीजें भी निकलती हैं। फाउंटेन के आसपास साइनबोर्ड लगाए गए हैं जिन पर लिखा है कि फाउंटेन से सिक्के चोरी करना अपराध है। कई दशकों से इन सिक्कों की चोरी भी होती रही है। कई बार इसके लिए चुंबक का भी इस्तेमाल किया जाता है।

बैंकों में 5 दिन काम पर वित्त मंत्री का बयान, कहा- अफवाहों पर न दें ध्यान

बिजनेस डेस्क. सप्ताह में पांच दिन काम और हर शनिवार की छुट्टी के लिए बैंक कर्मचारियों का इंतजार लंबा खिंच सकता है। कुछ ही दिन पहले बैंक एसोसिएशन और बैंक कर्मचारियों के यूनियन के बीच विभिन्न मुद्दों पर सहमति बनने के बाद इस बात की उम्मीद बढ़ गई थी कि चुनाव से पहले बैंक कर्मचारियों को 5-डे वर्क वीक का तोहफा मिल सकता है। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि लाखों बैंक कर्मचारियों के हाथों निराशा आने वाली है।

वित्त मंत्री ने की ये दो टूक टिप्पणी

बैंकों में 5 दिनों के सप्ताह को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में एक अपडेट दिया। वित्त मंत्री सीतारमण से बैंक कर्मचारियों के वर्क-लाइफ बैलेंस और बैंकों में हर सप्ताह सिर्फ 5 दिन काम के बारे में चल रही बातों के बारे में पूछा गया। उसके जवाब में वित्त मंत्री ने दो टूक कहा कि अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

पिछले सप्ताह इन मुद्दों पर समझौता

इससे पहले 8 मार्च को बैंकों के संगठन इंडियन बैंक एसोसिएशन यानी आईबीए और विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों के यूनियन के बीच समझौता हुआ था। समझौते में बैंक कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी पर सहमति बन गई। उसके बाद अब विभिन्न सरकारी बैंकों के कर्मचारियों की सैलरी में 17 फीसदी का इजाफा होने वाला है। सैलरी के अलावा महंगाई भत्ता बढ़ने समेत कुछ अन्य फायदों पर भी बात बन गई है।

दूसरे-चौथे शनिवार को होती है छुट्टी

बैंक कर्मचारी पहले, तीसरे और

लंबे समय से मांग कर रहे हैं कर्मचारी

हालांकि बैंक कर्मचारियों की एक पुरानी मांग को लेकर स्थिति साफ नहीं हुई है। बैंक कर्मचारी लंबे समय से मांग कर रहे हैं बैंकों में हर सप्ताह सिर्फ 5 दिनों का ही काम होना चाहिए और हर सप्ताह दो दिनों की छुट्टी होनी चाहिए। अभी बैंक कर्मचारियों को हर रविवार को तो छुट्टी मिलती है लेकिन हर शनिवार को बैंक बंद नहीं होते हैं। महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को भी उसी तरह से छुट्टी की मांग कर रहे हैं, जैसे अभी उन्हें हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी मिलती है।

बैंक यूनियन और एसोएिशन के समझौते के बाद ऐसी खबरें चल रही थीं कि अब इसकी मंजूरी पर वित्त मंत्रालय की मंजूरी ही बाकी है। वित्त मंत्रालय से चुनाव के ऐलान से पहले इस पर मुहर की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि अब तक ऐसा कुछ हुआ नहीं है और वित्त मंत्री ने फिलहाल ऐसा न होने का साफ संकेत भी दे दिया है।

में मां को न मिले खुशनुमा माहौल, तो होने वाली बेटी पर पड़ता है ये गंभीर असर!

प्रेगनेंसी में महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। ऐसे में अगर परिवार या जीवनसाथी की ओर से उन्हें खुशनुमा माहौल न मिले तो इसका असर उनके साथ-साथ होने वाले बच्चे की सेहत पर भी पड़ता है। हाल ही में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिहेवियरल डेवलपमेंट की एक रिसर्च सामने आई है जिसके नतीजों को हर महिला और उसके पार्टनर को जान लेना चाहिए।

प्रेगनेंसी के दौरान मां को अगर डिप्रेशन रहता है तो यह होने वाली बेटी को प्रभावित कर सकता है। जी हां, दरअसल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिहेवियरल डेवलपमेंट के नए शोध के मुताबिक, गर्भावस्था में अगर मां को डिप्रेशन या कोई अन्य मानसिक समस्या हो, तो इसका असर कोख में पल रही नवजात पर भी पड़ता है। आइए जानते हैं कि क्या कहता है शोध।

'डिप्रेस' मां का बेटी पर पड़ता है ये असर

बेटी को मां से जन्म के साथ कई गुण मिलते हैं। ये बात आपने बड़े-बुजुर्गों से भी जरूर सुनी होगी। ऐसे में इस बात पर अब मुहर लगा रही है, हाल ही में सामने आई एक रिसर्च, जिसमें कहा गया है कि प्रेगनेंसी में अगर मां को डिप्रेशन का सामना करना पड़े, तो पैदा होने वाली बेटी में 10 साल की उम्र के बाद अनिद्रा की समस्या का जोखिम 70 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

बेटों पर नहीं पड़ता मां के डिप्रेशन का असर

शोध की दिलचस्प बात ये है, कि इसमें पाया गया है कि गर्भावस्था में डिप्रेशन का शिकार रहीं महिलाओं के बेटों पर दस साल की उम्र में अनिद्रा का कोई असर देखने को नहीं मिला, यानी लड़के इससे अप्रभावित दिखाई दिए। शोधकर्ता एमा बोलहुईस का कहना है कि डिप्रेशन का शिकार गर्भवती और बच्चों पर असर के लिए 2006 के इजराइल - लेबनान युद्ध के दौरान 207 माताओं पर शोध किया गया। युद्ध के चलते ये महिलाएं परिवारों में बिखराव और सामाजिक तनाव के कारण डिप्रेशन का शिकार हुई थी।

बच्चे की ओवरऑल ग्रोथ पर इफेक्ट

अध्ययन बताता है, कि इसमें मां के डिप्रेशन और बच्चों के स्लीप पैटर्न को दस साल बाद फिर ट्रैक किया गया, जिसमें बेटियों को अनिद्रा की समस्या देखने को मिली। एमा के मुताबिक अच्छी नींद बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ के लिए काफी जरूरी है। किशोरावस्था से पहले आठ से दस घंटे की नींद नहीं ले पाने के कारण मानसिक के साथ शारीरिक विकास पर असर पड़ता है।

मां से तय होता है बेटी का इंटेलिजेंस लेवल

शोध की मानें, तो बेटी को मां से जन्म के साथ कुछ गुण मिलते हैं, जिनमें इंटेलिजेंस भी शामिल है। एक शोधकर्ता के मुताबिक गर्भावस्था में मां को डिप्रेशन के कारण माइटोकॉन्ड्रिया पर भी असर पड़ता है। माइटोकॉन्ड्रिया में ङ्कङ्क क्रोमोसोम्स होते हैं जो बेटी को जैविक रूप से मां से ही मिलते हैं। बता दें, कि ये इंटेलिजेंस लेवल यानी बुद्धिमता को तय करते हैं।

डिप्रेशन का शिकार रही महिलाओं के बच्चों की हायर एजुकेशन की संभावना होती है कम

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की 55 स्टडीज पर बेस्ड रिपोर्ट के मुताबिक गर्भावस्था में परिवार के साथ होने से महिला को सेहत से जुड़े जोखिम काफी कम होते हैं।

गर्भावस्था में डिप्रेशन का शिकार रही महिला के बच्चे की उच्च शिक्षा (Higher Education) पाने की संभावना कम होती है। ऐसी 20त्न महिलाओं के बच्चे ही आगे हायर एजुकेशन के लिए दाखिले ले पाते हैं।

85 फीसदी महिलाएं प्रेगनेंसी में फैमिली के साथ होने पर मानसिक रूप से खुद को मजबूत महसूस करती हैं।अमेरिका में फैमिली के साथ रहने वाली महिला का स्वस्थ बच्चे को जन्म देने का प्रतिशत अकेली महिला से ज्यादा देखा गया है।

संविधान मिटाने की कोशिश भाजपा को भारी पड़ेगी

देश के मतदाताओं को समझ लेना चाहिए कि %अबकी बार 370 पार' का नारा क्यों दिया जा रहा है? नरेंद्र मोदी का 370 पार का लक्ष्य संविधान को बदलने के लिए है। दरअसल, संविधान में आमूलचूल परिवर्तन के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत तथा आधे से अधिक राज्यों में संबंधित पार्टी की सरकारें होना जरूरी है। अनंत कुमार हेगड़े ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि हमारा 370 पार करने का लक्ष्य संविधान को बदलने और धर्म की रक्षा करने के लिए है।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कर्नाटक के भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने संविधान को बदलने के बारे में बयान दिया है। नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का लक्ष्य क्यों रखा है? इसकी असली वजह बताते हुए अनंत कुमार हेगड़े ने कहा है कि -संविधान बदलने और धर्म की रक्षा के लिए इतना बड़ा बहुमत चाहिए। अनंत कुमार हेगड़े के इस बयान को केवल शरारतपूर्ण या सनसनी पैदा करने वाला नहीं माना जा सकता। दरअसल यह बीजेपी और आरएसएस का असली एजेंडा है, जो एक सांसद के जुबान के जरिए प्रकट हुआ है। इसलिए राहुल गांधी ने अनंत कुमार हेगड़े के इस बयान पर जोरदार हमला बोला। राहुल गांधी ने लिखा कि -नरेंद्र मोदी और भाजपा का लक्ष्य बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर के संविधान को खत्म करना है। उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफरत है। राहुल गांधी ने गुजरात में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान इस बात को खास तौर पर रेखांकित किया। दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के नौजवानों का संविधान की रक्षा के लिए आह्वान करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बाबा साहेब के संविधान को बचाने के लिए आप लोग आगे आएं। इंडिया आपके साथ खड़ा है। राहुल गांधी आपके साथ है।अनंत कुमार हेगड़े के बयान पर बेहद कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी को घेरा। ट्विटर पर उन्होंने लिखा कि-समाज को बांटना, मीडिया को गुलाम बनाना, अभिव्यक्ति की आजादी पर पहरा और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु बनाकर विपक्ष को मिटाने की साजिश से नरेंद्र मोदी भारत के महान लोकतंत्र को संकीर्ण तानाशाही में बदलना चाहते हैं। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि -हम आजादी के नायकों के सपनों के साथ यह षड्यंत्र सफल नहीं होने देंगे और अंतिम सांस तक संविधान से मिले लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

अनंत कुमार हेगड़े के बयान से भारतीय जनता

पार्टी और आरएसएस के छिपे हुए मंसूबे उजागर हो गए हैं। देश के मतदाताओं को समझ लेना चाहिए कि %अबकी बार 370 पार' का नारा क्यों दिया जा रहा है? नरेंद्र मोदी का 370 पार का लक्ष्य संविधान को बदलने के लिए है। दरअसल, संविधान में आमूलचूल परिवर्तन के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत तथा आधे से अधिक राज्यों में संबंधित पार्टी की सरकारें होना जरूरी है। अनंत कुमार हेगड़े ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि हमारा 370 पार करने का लक्ष्य संविधान को बदलने और धर्म की रक्षा करने के लिए है। ऐसे में दो सवाल उठते हैं। पहला, अगर संघ और भाजपा की यही मंशा है तो नरेंद्र मोदी और मोहन भागवत खुले तौर पर इसका ऐलान क्यों नहीं करते? क्या उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए डंके की चोट पर यह ऐलान नहीं करना चाहिए कि %तुम मुझे वोट दो मैं तुम्हें संविधान बदलकर दूंगा'। मोदी और भागवत को खुलकर बोलना चाहिए कि फिर से सत्ता में आने पर हम डॉ. अंबेडकर का संविधान बदलकर हिंदू राष्ट्र का नया संविधान बनाएंगे। हालांकि यह आरएसएस का कोई नया एजेंडा नहीं है। संघ ने हमेशा से संविधान, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का अनादर किया है।

संविधान पारित होने के 3 दिन बाद 30 नवंबर 1949 को आरएसएस के मुख्य पत्र ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय में लिखा था कि, %भारत के संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं है क्योंकि इसमें मनु की संहिताएं नहीं है। इसलिए उन्हें यह संविधान स्वीकार नहीं है।' सर्वविदित है कि आरएसएस ने अपने मुख्यालय पर चार दशक तक तिरंगा नहीं फहराया। राष्ट्रगान को लेकर भी आरएसएस ने भ्रम फैलाया कि इसमें इंग्लैंड के राजा का महिमामंडन किया गया है। जबकि यह बात पूरे तरीके से निराधार और असत्य है। इसी तरह तीन रंगों की पट्टियों के मध्य में नीले रंग के बौद्ध धर्म के प्रतीक धर्मचक्र परिवर्तन से युक्त तिरंगे को आरएसएस अशुभ कहता रहा। राष्ट्रध्वज का आरएसएस ने कभी दिल से सम्मान नहीं किया। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि 20 जनवरी 2024 को जब राम मंदिर का उद्घाटन हुआ तो पूरे देश को भगवा से पाट दिया गया। इसका व्यापक प्रभाव 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस पर पड़ा। पूरे देश में लहराते भगवा झंडों से तिरंगे की आभा और शान कमजोर हुई। यह तिरंगे का अपमान है और भगवा को राष्ट्रध्वज के रूप में थोपने की नापाक कोशिश।हिन्दुत्ववादी भाजपा जब भी सरकार में आई, संविधान को बदलने की कोशिश हुई। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में एन. वैंकट चलैया की अध्यक्षता में संविधान समीक्षा आयोग बनाया गया। विरोध के चलते अटल बिहारी वाजपेयी की मंशा पूरी नहीं हो सकी। दस साल तक केंद्र में यूपीए की सरकार में संविधान और लोकतंत्र की संस्थाएं मजबूत हुईं। 2014 में राष्ट्रवाद के छद्म और अच्छे दिन के वादे के नाम पर पूर्ण बहुमत के साथ बीजेपी सत्ता में आई। नरेंद्र मोदी के प्रधानमन्त्री बनने के बाद हिन्दुत्ववादी संगठन खुलकर डॉ अम्बेडकर के संविधान को बदलकर हिन्दू राष्ट्र का नया संविधान लागू करने के लिए मचलने लगे।

सरकारी संरक्षण में ऐसे संगठन और तमाम कट्टरपंथी बेलगाम हो गए। इसके अलावा संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी संविधान के खिलाफ लिखने-बोलने लगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे वर्तमान राज्यसभा सांसद रंजन गोगोई ने 8 अगस्त 2023 को संसद में कहा कि -संविधान के मूल ढांचे पर बहस होनी चाहिए। जबकि केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य मामले में (1973) सुप्रीम कोर्ट के 13 जजों की बेंच ने फैसला दिया था कि संविधान के मूल ढांचे में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। 15 अगस्त 2023 को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष विवेक देवराय ने मिंट अखबार में एक लेख लिखा। %देयर इज ए केस फ़ॉर वी द पीपल टू इम्ब्रेस अ न्यू कॉन्स्टिट्यूशन' शीर्षक लेख में उन्होंने लिखा कि %भारत का संविधान औपनिवेशिक विरासत है। अब हमें एक नए संविधान की जरूरत है।' यानि डॉ. अम्बेडकर के संविधान को बदलकर नया संविधान लिखा जाना चाहिए। अब भाजपा का एक सांसद खुलकर इस नाम पर वोट मांग रहा है।

अब दूसरे सवाल पर आते हैं। इस देश का बहुसंख्यक हिन्दू दलित, पिछड़ा, आदिवासी और अल्पसंख्यक तथा महिलाएं जो संविधान द्वारा संरक्षित हैं ; क्या संविधान बदलने के लिए बीजेपी को वोट करेंगे? जिस संविधान के जरिए देश के वंचित तबकों को मनुष्य होने का अधिकार मिला, नौकरी, शिक्षा पाने का अवसर मिला, स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार मिला, वोट देने का अधिकार मिला, जिस संविधान के जरिए दलितों, शूद्रों, महिलाओं को सदियों की सामाजिक गुलामी से मुक्ति मिली, जिस संविधान के जरिए इन तबकों को अपने व्यक्तित्व के विकास का मौका मिला, उस संविधान को बदलने के लिए और मनुस्मृति के आधार पर हिंदू राष्ट्र के नए संविधान के लिए क्या यह समाज बीजेपी को वोट करेगा? सच्चाई ये है कि ये मुद्दा भाजपा को बहुत भारी पड़ने जा रहा है। राहुल गांधी लगातार सामाजिक न्याय की बात कर रहे हैं। ऐसे में सामाजिक न्याय का दस्तावेज %संविधान' को मिटाने की साजिश बीजेपी और आरएसएस को बहुत भारी पड़ेगी। दलित वंचित तबका आने वाले चुनाव में संविधान बदलने का मंसूबा रखने वालों को ही बदलने के मूड में है।

संपादकीय

नशे का नासूर

हाल के दिनों में देश के विभिन्न भागों में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हमारे नीति नियंताओं की गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। ये घातक नशा न केवल युवा पीढ़ी को पथभ्रष्ट करता है बल्कि अपराध की एक अंतहीन शृंखला को भी जन्म देता है। जाहिरा तौर पर नशे के अंतर्राष्ट्रीय सौदागर देश में कानून-व्यवस्था का संकट भी पैदा करना चाहते हैं। यह संकट कितना बड़ा है, वह इस बात से पता चलता है कि एक माह के भीतर भारतीय एजेंसियों ने गुजरात तट पर नशे की एक दूसरी बड़ी खेप बरामद की है। एनसीबी, तटरक्षक बल व गुजरात आतंकरोधी दस्ते के साझे अभियान को तब बड़ी कामयाबी हाथ लगी, जब पोरबंदर तट पर करीब 480 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इसके साथ ही एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के लिये काम करने वाले छह पाकिस्तानियों की गिरफ्तारी भी महत्वपूर्ण है, जिसके जरिये समुद्र मार्ग से हो रही नशीले पदार्थों की बड़ी तस्करी के सूत्र तलाशने में भारतीय एजेंसियों को मदद मिल सकेगी। ज्यादा दिन नहीं हुए जब पिछले महीने ही गुजरात के तट पर एक ईरानी नाव से तैंतीस सौ किलोग्राम नशीले पदार्थ बरामद किये गए थे। गाहे-बगाहे देश के अन्य भागों से भी नशीले पदार्थों की बरामदगी की खबरें मिलती रहती हैं। अकेले गुजरात से ही पिछले दो सालों के दौरान करीब छह हजार करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। इस आंकड़े से इस बात का अहसास किया जा सकता है कि पूरे देश में नशीले पदार्थों की बरामदगी का आंकड़ा कितना बड़ा होगा। यह भी कि देश की युवा पीढ़ी को तबाह करने की कितनी बड़

ी साजिश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रची जा रही है। बड़ी बरामदगियों में पाकिस्तान, ईरान व अफगानिस्तान की भूमिका से गहरी साजिश की ओर इशारा मिलता है। निश्चित रूप से ड्रग्स से हासिल रकम का उपयोग पूरी दुनिया में आतंकवाद की जड़ें सींचने में किया जा रहा है। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में ड्रग्स की भूमिका किसी से छिपी नहीं है।

निस्संदेह, देश में जब भी कहीं कोई नशे की बड़ी खेप की बरामदगी होती है आम भारतीय की फिक्र बढ़ जाती है। कल्पना कीजिए कि यदि हाल में बरामद ड्रग्स की खेप भारत में दाखिल होती तो कितने युवा पथभ्रष्ट होते? वहीं देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बड़ी मात्रा में आतंकवाद को सींचने के लिये चली जाती। हमें न केवल बाहर से आने वाली नशे की खेपों पर अंकुश लगाना है, बल्कि उन काली भेड़ों पर भी लगाम कसनी है जो अंतर्राष्ट्रीय तस्करों की मददगार बनी हुई हैं। हमें देश के भीतर नशे सप्लाई करने वाले तंत्र की जड़ों तक भी पहुंचना होगा, अन्यथा हजारों घरों के चिराग असमय काल-कवलित होते रहेंगे। देश के विभिन्न भागों से नशे की ओवर डोज से मरने वाले युवाओं की खबरें अकसर आती रहती हैं। अपनों को खोने वाले परिवारों की पीड़ा को देश के नीति-नियंताओं को समझना होगा। नशे की इस भयावह लत का एक घातक पहलू यह भी है कि यह समाज में कई तरह के अपराधों को भी जन्म देती है। विगत में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि जब महंगे नशीले पदार्थों को खरीदने के लिये युवा अपराध की तंग गलियों में विचरण करने लगते हैं। कई सोने की चेन छीनने की घटनाओं में तमाम ऐसे युवक पकड़े गए हैं जो अच्छे खाते-पीते घरों के थे, कई अच्छे शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत थे। संकट का एक पहलू पड़ोसी देश पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों की भूमिका भी है। जम्मू-कश्मीर व पंजाब में ड्रग मनी का इस्तेमाल आतंकवादियों को हथियार उपलब्ध कराने तथा भारत विरोधी अभियान चलाने में किया जाता है। यहां तक कि सीमा पर सुरक्षा बलों की कड़ी चौकसी के बाद अब ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ सीमावर्ती जिलों में गिराये जा रहे हैं।

भाजपा उम्मीदवारों की सूची का बड़ा दिखावा कर रही मोदी-शाह की जोड़ी

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सांसद हंसराज हंस ने योगेन्द्र चंदोलिया नाम के व्यक्ति को रास्ता दिया है। तथ्य यह है कि, मनोज तिवारी को छोड़कर, दिल्ली के अन्य छह भाजपा सांसद उम्मीदवार मतदाताओं के लिए स्पष्ट रूप से अजनबी हैं। मोदी और शाह भाजपा उम्मीदवारों की सूची को लेकर बड़ा दिखावा कर रहे हैं कि %370' पूरा होगा या नहीं, यह बड़ा सवालिया निशान है।क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इन पांच वर्षों में भाजपा के सभी लोकसभा सांसदों पर नजर रख रहे थे। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में क्या खयाल है, जो हर 24/7 में 17-18 घंटे काम कर रहे हैं? क्या उन्होंने भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के पीछे भी खोजी कुत्ते लगाये थे जो 2019 के आम चुनावों के लिए चुने गये उम्मीदवार थे? अब, पांच साल बाद, मोदी-शाह की जोड़ी 2024 की सूची से मौजूदा सांसदों को हटा रही है और उनके लिए प्रतिस्थापन ढूंढ रही है। प्रधानमंत्री मोदी को भरोसा है कि %370' का उनका सपना नये और पुराने नामों के मिश्रण से पूरा होगा।

दरअसल, एक दशक तक धारणा-प्रबंधन में अपने कौशल को निखारने के बाद, मोदी अनेक लोगों द्वारा जादू की छड़ी वाले व्यक्ति माने जा रहे हैं और अगर ऐसे दो लोग हैं जिन्हें भाजपा उम्मीदवारों की कतार से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है, तो वे नरेंद्र मोदी और अमित शाह, जिनमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल हैं। लेकिन यह सब जनता के लिए है,अन्यथा, यह कल्पना करना कठिन है कि नड्डा कैसे मोदी और शाह पर अपनी प्राथमिकता थोप रहे हैं। जेपी नड्डा की अपनी यथास्थिति बनाये रखने की क्षमता अवश्य ही दिव्य होनी चाहिए।मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल और अनुराग ठाकुर ने भाजपा की सूची में जगह बनाई है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मतदाता ठाकुर और गोयल के %परिवारवाद' से मुक्ति चाहेंगे। लेकिन यह बात मोदी-शाह को कौन बतायेगा? मुख्यधारा का मीडिया तो नहीं, जो ठाकुर के हाथों से खाता है। गोयल अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, और उनका कहना है कि गोयल को %सुरक्षित' सीट से मैदान में उतारा गया है। गडकरी नागपुर में अपने घर पर हैं। लेकिन हरियाणा के अपदस्थ मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, जो पिछले वर्षों में मोदी की मोटर साइकिल पर सवार हुआ करते थे, को करनाल लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है और वह लोकसभा चुनावों के आदी नहीं हैं।

भाजपा की दूसरी सूची में 72 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम हैं और 32 मौजूदा सांसदों को हटा दिया गया है। इनमें केंद्रीय मंत्री दर्शनाजरदोश भी शामिल हैं। पूर्व मंत्री सदानंद गौड़ा और रमेश

पोखरियाल %निशंक' भी सूची में अपना नाम नहीं ढूंढ सके। यह ऐसा है जैसे मोदी-शाह की जोड़ी को उत्साह कम करने से खुशी मिलती है। हालांकि, कुछ अपवाद भी हैं। तेजस्वी सूर्य उनमें से एक हैं। कर्नाटक का युवा तुर्क पक्ष से बाहर नहीं है। तेजस्वी सूर्य का सार्वजनिक जुझारूपन और निजी चाटुकारिता का मिश्रण काम आया।

अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से चुनाव लड़ेंगे। पीयूष गोयल को मुंबई उत्तर दिया गया है। दूसरी सूची की एक और खासियत है पूर्व मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी। उदाहरण के लिए, त्रिवेन्द्र सिंह रावत और बसवराज बोम्मई। रावत को उत्तराखंड में हरिद्वार दिया गया है और बोम्मई को कर्नाटक में हावेरी से मौका दिया गया है। मोदी और शाह मध्य प्रदेश-राजस्थान-छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के समय से ही इस तरह की चुनावी बाजीगरी कर रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस बच्चे की तरह हैं जिसे खेलने के लिए एक नया खिलौना मिल गया है। मुद्दा यह है कि एक राजनीतिक नेता से लोगों का एक पूरा समूह जुड़ा होता है, उन सभी का वर्तमान और भविष्य नेता की किस्मत से जुड़ा होता है। इसलिए, जब केंद्रीय मंत्री और उडुपी चिकमंगलूर की सांसद शोभा करंदलाजे का नाम नहीं हटाया गया, तो थोड़ा झटका लगा। कम से कम, उसके पास फिर से चुने जाने का मौका है। उनके समर्थक कांग्रेस के लिए भाजपा को नहीं छोड़ेंगे।रिकॉर्ड के लिए, दूसरी सूची में कर्नाटक और महाराष्ट्र दोनों से 20 उम्मीदवार हैं; गुजरात से 7 और हरियाणा और तेलंगाना से 6-6 उम्मीदवार। इसके अलावा मध्य प्रदेश के लिए पांच, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए दो-दो नाम शामिल हैं। इन सभी चुने गये लोगों का मोदी के %370' का हिस्सा बनना तय है। उस मामले में पुराने और ताजा नामों पर मेहनत क्यों और इस या उस सांसद को क्यों बर्खास्त किया जाये जब कोई टॉम, डिक या हैरी जीतेगा जैसा कि मोदी ने भविष्यवाणी की थी।अनुराग ठाकुर और तेजस्वी सूर्य के नाम के साथ कुछ खास नहीं जुड़ा है। नितिन गडकरी और पीयूष गोयल की जगह रामलाल और श्यामलाल को लाया जा सकता है और रामलाल और श्यामलाल दोनों जीतेंगे। कम से कम, यही %मोदी गारंटी' है। गुजरात में पांच सांसदों को हटा दिया गया है। क्या हमें यह मान लेना चाहिए कि सभी पांचों के प्रतिस्थापन जीतेंगे क्योंकि मोदी को 370 सीटें जीतने का भरोसा है, चाहे कुछ भी हो? कर्नाटक के 20 उम्मीदवारों में से नौ सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़े भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

एक्ने बचाव जरूरी

स्ट्रेस का हमारे एडरेनल ग्लैंड्स पर असर पड़ता है, जो स्किन के नेचुरल ऑयल को सेक्रेट कर देता है, जिस कारण एक्ने निकल आता है। एक्ने की शुरुआत ब्लैकहेड से होती है। एक्ने में बैक्टीरियल एक्टिविटी भी होती है।

एक्ने ऑयली स्किन पर ही होता है। किशोरावस्था में यह आम है, जब शरीर हार्मोनल एक्टिविटी में गुजर रहा होता है, जो ऑयल ग्लैंड्स को भी एक्टिवेट कर देता है। हालांकि कई बार अधिक उम्र में भी एक्ने हो जाता है। स्ट्रेस का हमारे एडरेनल ग्लैंड्स पर असर पड़ता है, जो बदले में स्किन के नेचुरल ऑयल को सेक्रेट कर देता है और एक्ने निकल आता है। एक्ने की शुरुआत ब्लैकहेड से होती है। एक्ने में बैक्टीरियल एक्टिविटी भी होती है।

एक्ने से बचाव के लिए क्लींजिंग जरूरी है ताकि ऑयलीनेस कम हो जाए। हालांकि जरूरत से ज्यादा साबुन और पानी का इस्तेमाल स्किन को हद से ज्यादा एल्कलाइन कर देता है और एक्ने के लिए परिस्थिति पैदा कर देता है। मेडिकेटेड सोप, क्लींजर या लोशन का प्रयोग दिन में दो बार केवल सुबह और रात करना चाहिए। रात में क्लींजिंग बहुत जरूरी है। रोज बेस्ड स्किन टॉनिक या एस्ट्रिंजेंट लोशन का प्रयोग क्लींजिंग के बाद चेहरे को पोंछने के लिए करें। दिन में भी स्किन को रीफ्रेश करने के लिए इसका प्रयोग कर सकती हैं। नॉन-ऑयली डे क्रीम या प्रोटेक्टिव क्रीम का प्रयोग दिन में करना चाहिए। सैंडलवुड क्रीम को डे क्रीम के साथ मिलाकर लगा सकती हैं। ऑयली क्रीम और मॉयश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए। रात में क्लींजिंग के बाद एंटी- एक्ने लोशन फोड़े- फुंसियों पर ही लगाएं। एक्ने के मार्क पर एंटी ब्लेमिश प्रिपरेशन लगाएं। यदि एक्ने है, तो रात में ऑयली स्किन वालों को नाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए। एक्ने हो, तो स्क्रब और ग्रेनी मास्क न लगाएं।

एक्ने वालों को ऐसी डाइट लेनी चाहिए, जो पूरे सिस्टम को क्लीन करे और टॉक्सिन व वेस्ट को बाहर करे। फाइबर और विटामिन-मिनरल युक्त डाइट लेनी चाहिए। फ्रेश फ्रूट व जूस, क्लीयर सूप, लस्सी, सलाद, स्प्राउट, होलग्रेन, दही का सेवन करें। लो फैट डाइट सही रहेगा। रोजाना 6 से 8 गिलास पानी पिएं और सुबह-सुबह लेमन जूस के साथ एक गिलास पानी पिएं। तला हुआ भोजन, मिठाई और चॉकलेट से परहेज करें।

पुरुषों की त्वचा महिलाओं की त्वचा से अधिक मोटी होती है। ऑयल प्रोडयूसिंग ग्लैंड्स भी ज्यादा होता है इसलिए मेल स्किन अधिक ऑयली और बड़े पोर्स होते हैं। पोर्स पर ऑयल जल्दी जम जाता है औ र पिंपल्स व एक्ने हो जाता है। सुबह स्किन को क्लीन करने के बाद हर्बल शेविंग क्रीम से शेव करें। एस्ट्रिंजेंट लोशन से स्किन को पोछें। आफ्टर शेव लोशन इंफेक्शन से बचाता है।

घरेलू इलाज

- एक्ने एरप्शन पर सैंडलवुड पेस्ट लगाएं।
- दालचीनी पाउडर और मेथी पाउडर को मिला लें। इसमें लेमन जूस और शहद मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। एक्ने पर लगाएं और एक-दो घंटे के लिए छोड़ दें।
- नीम की पत्तियों को धीमी आंच पर उबालें। ठंडा होने पर निथार लें। पत्तियों का पेस्ट बनाएं और रोज लगाएं। आधे घंटे बाद धो लें।
- दही में चुटकीभर हल्दी मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद पानी से धो लें।

एग्जॉटिक फ्लावर्स से सजाएं घर

गर्मी के मौसम में आप अपने घर को एग्जॉटिक फ्लावर्स के गार्डन में तब्दील कर सकती हैं। ये फ्लावर्स विदेशी होते हैं, जो महंगे होते हैं लेकिन हमारे घर के पूरे डेकोरेशन को बदल डालते हैं। ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, प्रोटिया जैसी विदेशी मेहमान के अलावा डिफरेंट टाइप के मनी प्लांट्स से भी घर को डेकोरेट कर सकती हैं

टिकाऊपन

ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, अनथिरियम, प्रोटिया, बर्डस ऑफ पैराडाइस और जिंजर ऐसे विदेशी फूल हैं, जिनकी ठीक से देखभाल की जाए तो ये एक महीने तक फ्रेश दिखते हैं। इनका आकार काफी बड़ा और कलर बेहद हसीन होता है। चाहें तो एक तरह के ही फ्लावर्स को बंच में सजाएं या फिर दो-तीन फ्लावर्स को साथ में।

वाइब्रेंट कलर्स

ये फूल रेड, ऑरेंज, यलो, पिंक जैसे बोल्ड कलर्स में मिलते हैं। आर्किड के साथ आप ग्रीन और पर्पल कलर के एक्सेसरीज मिला लें तो आंखों को काफी सूदिंग लगता है। इनके शेड्स बहुत खुशगवार होते हैं। ये ट्रॉपिक के शेड्स हैं और समर कलर्स भी। इन फूलों को मुरझाने से बचाने के लिए हर हफ्ते इन पर पानी का छिड़काव करें।

ग्रीनरी का जलवा

इस गर्म मौसम में ग्रीन कलर न केवल आंखों को बल्कि मन को भी ठंडक पहुंचाते हैं। हमारे यहां तो ग्रीन कलर के केवल पत्ते ही होते हैं लेकिन ट्रॉपिकल ग्रीनरी हर शेप और साइज में उपलब्ध है। दो या तीन टी लीव्स या फिलाडेंड्रन लीव्स एग्जॉटिक ग्रीनरी को बेहतरीन टच दे सकता है।

आर्टिस्टिक प्लेसमेंट

फूल आपकी अरेंजमेंट का मेन फोकस रहना चाहिए। इसलिए ऐसे फूल का चुनाव करें, जिसकी मोटी सी स्टेम हो। जैसे- हेलिकॉनिया या बर्ड ऑफ पैराडाइज। इन्हें पहले वास में रखें। इसके बाद दूसरे फूलों को सजाएं, हाइट को कम करते हुए। ग्रीनरी को अंतिम में प्लेस करें। ध्यान रखें कि ग्रीनरी किसी भी फूल को छिपाएं नहीं।

सजाएं कुछ यूं

ऑर्किड, हेलिकॉनियाज, अनथिरियम, प्रोटिया, बर्डस ऑफ पैराडाइस, ब्रोमिलियाड, काला लिलीज और जिंजर को फ्लावर वास में अपने हिसाब से सेट कीजिए। इनके डेकोरेशन में बैंबू स्टिक, आर्टिफिशियल बेल्स और रिबन्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। फूलों के बेल के अलावा मनीप्लांट से भी घर सजा सकती हैं। इससे घर का लुक यूनीक दिखेगा।

मेथी फ्रैंकी

सामग्री: आटा 1/2 कप, बेसन 1 कप, मेथी पत्ता 1/2 कप बारीक कटा हुआ, दही 1 टेबलस्पून, 2 प्याज बारीक कटा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, अजवायन 1/4 टीस्पून, हल्दी पाउडर 1/4 टीस्पून, तेल 1 टीस्पून, 2 टमाटर बारीक कटा, बीन स्प्राउट 1 कप, चाट मसाला 1/2 टीस्पून

विधि: बाउल में आटा और बेसन डालकर मिक्स करें। फिर उसमें मेथी पत्ता, दही, आधा प्याज और हरी मिर्च, अजवायन, हल्दी पाउडर डालें और अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद पानी डालकर गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को गीले कपड़े से ढंक कर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। स्टफिंग के लिए, नॉन स्टिक पैन में तेल गर्म करें। बचा हुआ प्याज, हरी मिर्च, टमाटर डालकर दो-तीन मिनट तक भूनें। बीन स्प्राउट, चाट मसाला भी डाल दें और पैन आंच से उतार दें। गूंथे हुए आटे को आठ बराबर भागों में बांट कर रोटी की तरह बेल लें। तावा गर्म कर एक-एक कर रोटियां सेंकें। वर्क टॉप पर सभी रोटी को रखें और स्टफिंग मिक्सचर को रोटी में भरकर टाइटली रोल करें। तिरछे टुकड़ों में काटकर हरी चटनी के साथ गर्मागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2022

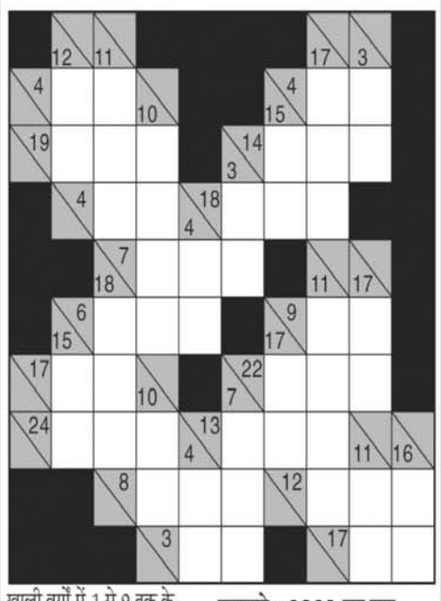

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2021 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2022

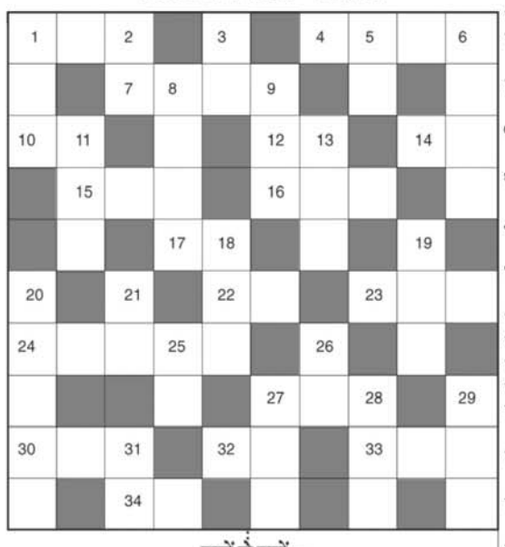

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिलरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2021

कु	र्बा	न		व	जू	द		आ	श
र्बा		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	ब	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

सूडोकु -2022

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -202 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2022

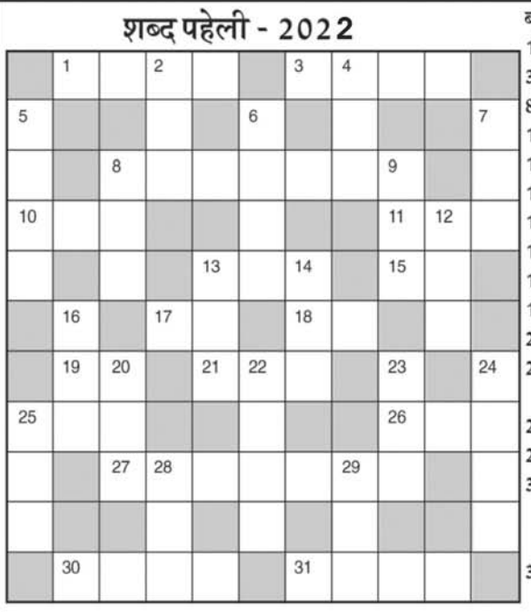

बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -2021 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जा		श		श	ब्र	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

लिस्ट में कहीं नहीं था नाम, योगीराज को अचानक मिला राम लला की मूर्ति बनाने का काम

नई दिल्ली. अयोध्या में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। भगवान राम की प्रतिमा बनाने वाले अरुण योगीराज का कहना है कि वह अभी तक न तो इस भावना को आत्मसात कर पाए हैं और न ही आराम कर पाए हैं। वह लगातार विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में अपने अनुभव के बारे में बात करने के लिए निमंत्रण पर देश का दौरा कर रहे हैं। आज भी उन्हें फोन कॉल और मैसेज प्राप्त हो रहे हैं। वह सभी का जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं।द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में योगीराज ने बताया कि उनका नाम इस काम के लिए मूर्तिकारों की शुरुआती शॉर्टलिस्ट में भी नहीं था।

अंतिम निर्णय लेने से सिर्फ एक दिन पहले मंदिर ट्रस्ट द्वारा गठित समिति के सामने एक प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया था।मूर्ति बनाने के लिए जब तीन कलाकारों में से चुना गया तो उन्हें बड़ा झटका लगा। मूर्ति बनाने के लिए वह जिस पत्थर का उपयोग कर रहे थे वह गुणवत्ता परीक्षण में से एक में विफल हो गया। तब तक वह 70 प्रतिशत काम पूरा कर चुके थे। उन्हें बताया गया कि अगर वह लिस्ट में बने रहना चाहते हैं तो उन्हें यह सब फिर से करना होगा।

एक फोन कॉल ने बदली किस्मत

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से तीन कुछ महीने पहले तीनों कलाकारों मूर्तियों को तराशने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। देश भर से लगभग एक दर्जन मूर्तिकारों को समिति के सामने अपनी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया था। योगीराज कहते हैं कि वह लिस्ट में नहीं थे। समिति की बैठक से ठीक एक दिन पहले उन्हें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (**IGNCA**) के सच्चिदानंद जोशी ने फोन किया।

यूपी की इन सामान्य सीटों का फैसला आरक्षित वोटरों के हाथ, समझें समीकरण

उत्तर प्रदेश के लगभग सभी लोकसभा क्षेत्रों में 5-5 विधानसभा सीटें शामिल हैं। इनमें से संतकबीर नगर, राबर्ट्सगंज, मोहनलाल गंज और मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र की तस्वीर थोड़ी अलग है।

लखनऊ. यूं तो प्रदेश की 80 में से 17 लोकसभा सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। मगर कुछ सामान्य सीटों का फैसला भी आरक्षित वर्ग के वोटरों के हाथ में है। यह वो लोकसभा क्षेत्र हैं, जिनमें शामिल विधानसभा सीटों में से दो या तीन आरक्षित श्रेणी की हैं।

संतकबीरनगर लोकसभा सीट को ही ले लीजिए। यह सीट तो सामान्य है, मगर इसमें शामिल पांच में से तीन विधानसभा क्षेत्र रिजर्व हैं। प्रदेश में ऐसे चार लोकसभा क्षेत्र हैं, जिनमें 3-3 विधानसभा सीटें आरक्षित हैं जबकि नौ लोकसभा क्षेत्रों में 2-2 रिजर्व विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।देश के इस सबसे बड़े सूबे की हर लोकसभा सीट का सियासी मिजाज भी अलग है। प्रदेश के लगभग सभी लोकसभा क्षेत्रों में 5-5 विधानसभा सीटें शामिल हैं। इनमें से संतकबीर नगर, राबर्ट्सगंज, मोहनलाल गंज और मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र की तस्वीर थोड़ी अलग है।

तीन जिलों में बंटी संतकबीर नगर सीट

संतकबीर नगर सीट को पहले खलीलाबाद लोकसभा क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। यहां से निषाद पार्टी प्रमुख संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद सांसद हैं। 2019 में वे भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते थे। इस बार भी वे कमल निशान पर ही लड़ेंगे। इस सीट से चुने जाने वाले सांसद का फैसला तीन जिलों की जनता करती है। इस लोकसभा में शामिल तीन आरक्षित विधानसभा सीटें अलग-अलग जिलों की हैं। इनमें संतकबीर नगर की घनघटा (सु.), गोरखपुर की खजनी (सु.) और अंबेडकर नगर की आलापुर (सु.) विधानसभा सीटें शामिल हैं।

राबर्ट्सगंज लोकसभा में शामिल दोनों एसटी सीटें

मोहनलालगंज लोकसभा सीट के तहत सिधौली, मलिहाबाद और मोहनलालगंज सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं जबकि राबर्ट्सगंज लोकसभा में चकिया विधानसभा अनुसूचित जाति और ओबरा व दुद्धी विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन पर बन रहे आईलैंड प्लेटफॉर्म से चलेंगी ट्रेनें, यात्रियों को मिलेगी राहत

लखनऊ. लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन पर दो आईलैंड प्लेटफार्म बनाए जा रहे हैं। यह प्लेटफार्म जंक्शन के कैब वे के रास्ते से सटे पुराने मालगोदाम की जगह बनाया जा रहा है। छह से आठ माह में तैयार होगा। इससे लखनऊ से चलने वाली ट्रेनों को इन आईलैंड प्लेटफॉर्मों पर शिफ्ट किया जा सकेगा। इससे यात्रियों को ट्रेन पकड़ने में आसानी होगी।उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के चारबाग रेलवे स्टेशन का अपग्रेडेशन तेजी से चल रहा है। इसके तहत सेकेंड एंट्री की ओर निर्माण चल रहे हैं। सेकेंड एंट्री के बीच भव्य गेट बनेगा। चारबाग मुख्य भवन से कैब वे की ओर जाने पर पुराना मालगोदाम ढहाकर आईलैंड प्लेटफार्म बनाया जा रहा है।

लखनऊ से चलने वाली ट्रेनों को यहीं से चलाया जा सकेगा। इससे यात्रियों और स्टेशन प्रशासन दोनों को राहत हो जाएगी। सूत्रों की मानें तो दिल्ली जाने वाली एसी एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें आईलैंड प्लेटफार्म पर शिफ्ट की जा सकती हैं।नौ के बजाय 11 प्लेटफॉर्म हो जाएंगे चारबाग रेलवे स्टेशन पर नौ प्लेटफॉर्म हैं। इसमें आठ, नौ नंबर प्लेटफॉर्म खम्मनपीर मजार की ओर बने हैं। ऐसे में दो आईलैंड प्लेटफॉर्म बनने से प्लेटफॉर्मों की संख्या 11 हो जाएगी। इससे ट्रेनों का संचालन और भी बेहतर हो सकेगा।

राज्य रानी समेत तीन जोड़ी रद्द ट्रेनें बहाल

रेलवे ने तीन जोड़ी ट्रेनों को बहाल करने का आदेश दे दिया है। 22454-22453 मेरठ-लखनऊ जं. राज्यरानी एक्सप्रेस बहाल हो गई है। यह मेरठ सिटी से दो घंटे लेट रवाना होगी पर लखनऊ से तय समय पर चलेगी। काठगोदाम-लखनऊ जं. व चंडीगढ़-लखनऊ जं. एक्सप्रेस भी बहाल कर दी गई हैं।

हाईस्कूल, इंटर रिजल्ट को पहले दिन जांची गईं 9.5 लाख से ज्यादा कॉपियां

प्रयागराज.यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2024 में सम्मिलित परीक्षार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शनिवार को प्रदेश के कुल 259 केन्द्रों पर एक साथ शुरू हुआ। पहले दिन उप नियंत्रकों ने परीक्षकों तथा उप प्रधान परीक्षकों को कॉपियों के मूल्यांकन का प्रशिक्षण दिया और कुछ सैंपल कॉपियां जांची गईं। यही कारण है कि कुल 3,01,17,723 उत्तरपुस्तिकाओं में पहले दिन मात्र 9,54,994 का ही मूल्यांकन हो सका।वहीं प्रयागराज के नौ केंद्रों पर आवंटित 999780 उत्तरपुस्तिकाओं में से हाईस्कूल की 27497 व इंटर की 18959 कॉपियां जांची गईं। पहले दिन कुल आवंटित 5511 परीक्षकों में से आधे से भी कम 2445 ने रिपोर्ट किया।

कुलभाष्कर और केपी इंटर कॉलेज में एक भी कॉपी नहीं जांची जा सकी। केपी कॉलेज में हाईस्कूल सामाजिक विज्ञान के पैनल मूल्यांकन के लिए शिक्षकों का समूह नहीं बन पाने के कारण उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं हो सका। केपी कॉलेज में आवंटित 1251 परीक्षकों में से मात्र 111 ने रिपोर्ट किया। राजकीय इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की 11599 व इंटर की 568 कॉपियां जांची गईं। केसर विद्यापीठ में इंटर की 5973, एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज में 6601, क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में 8699 और भारत स्काउट एंड गाइड इंटर कॉलेज में 9297 कॉपियों का मूल्यांकन हुआ।

होली पर आसान होगा सफर, लखनऊ से इन 13 शहरों के बीच चलेंगी नॉन स्टाप बसें

इस बार होली पर यात्रा आसान होगी। यूपी परिवहन निगम 22 मार्च से एक अप्रैल तक होली स्पेशल बसें चलेगा। लखनऊ से इन 13 शहरों के बीच नॉन स्टाप बसें चलेंगी ।

लखनऊ. इस बार होली पर रोडवेज लखनऊ से 13 शहरों के बीच नॉन स्टाप बसें चलाएगा। इसके लिए 967 बसों में 305 बसों को चिन्हित किया गया है। ये होली स्पेशल बसें 22 मार्च से एक अप्रैल तक चलेंगी। यात्रियों को बसों की सुविधा आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग और अवध बस स्टेशन से मिलेगी। जहां एक बस में एक ही शहर के यात्रियों को बैठाकर बसें रवाना की जाएंगी, ताकि बीच रास्ते सवारी उतारने और चढ़ाने का झझट नहीं रहेगा। इससे कम समय में बसें गंतव्य तक पहुंच सकेंगी। बस अड्डों पर यात्रियों के बैठने से लेकर खान-पान की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सात डिपो की बसें 11 दिनों तक चलेंगी

होली के दौरान लखनऊ से 13 शहरों के बीच सबसे ज्यादा सवारियों के आवागमन की संभावना है। इस लिहाज से होली स्पेशल बसों का आवंटन हर रूट के लिए है। इस संबंध में लखनऊ परिक्षेत्र के सभी सातों डिपो को आरएम की ओर से दिशा निर्देश भेज दिए गए हैं। 11 दिनों तक संचालित होने की होली स्पेशल बसें चारबाग, आलमबाग, कैसरबाग, अवध, रायबरेली, बाराबंकी, हैदरगढ़, उपनगरीय डिपो शामिल हैं।

लखनऊ से इन शहरों के बीच होली स्पेशल बसें

कानपुर मार्ग पर 17, गोरखपुर मार्ग पर 46, दिल्ली मार्ग पर 43, बहराइच मार्ग पर 26, गोंडा-बलरामपुर 24, आजमगढ़ मार्ग पर 37, देहरादून मार्ग पर 09, हरिद्वार 10, बनारस 10, प्रयागराज 33, आगरा-मथुरा 20, रायबरेली 20 बसें संचालित की जाएगी। एसी बसें भी संचालित की जाएंगी। यात्रियों के लिए एसी बसों में तत्काल या एडवांस बुकिंग खोल दी गई है।

दिल्ली से सवारी लाने 50 साधारण बसें लखनऊ से जाएंगी

दिल्ली के कौशांबी, आनन्द विहार, सरायं काले खां और कश्मीरी गेट बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ देखते हुए लखनऊ से बसें रवाना की जाएंगी। इसके लिए लखनऊ से कर्मियों की ड्यूटी दिल्ली के चार बस अड्डों पर लगाई गई है। जहां दिल्ली से पूर्वांचल के क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों की भीड़ देखते हुए दिल्ली से सवारी लाने के लिए लखनऊ से 50 साधारण बसें भेजी जाएंगी।

दूल्हा देर रात तक का करता रहा इंतेजार, नहीं आई दुल्हन, अरमानों पर फेर दिया पानी

उत्तर प्रदेश के रामपुर में अजब घटना सामने आई है। यहां शादी के फेरे के लिए दूल्हा देर रात तक का दुल्हन का इंतेजार करता रहा, पर वह नहीं आई। इसके बाद हंगामा हुआ।

रामपुर. रामपुर में हल्दी और मेहंदी की रस्म के बाद दूल्हा देर रात तक दुल्हन का इंतेजार करता रहा। मगर दुल्हन और उसके परिजन फेरों के लिए नहीं पहुंच सके। उन्होंने दूल्हा और उसके परिवार को रात भर गुमरही में रख कर दूल्हा के अरमानों पर पानी फेर दिया।

यह अजब-गजब प्रकरण नगर के एक मोहल्ले में देखने को मिला। मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने अपने पुत्र का विवाह मुरादाबाद शहर के एक मोहल्ला निवासी एक युवती के साथ तय किया था। विवाह में सारी रस्में बस दो परिवारों के बीच होनी थीं। इन रस्मों में कोई बाहरी व्यक्ति या रिश्तेदारों तक शामिल नहीं किया जाना तय किया गया था।

इसी बीच बीते शुक्रवार की रात दूल्हा को तैयार कर हल्दी और मेहंदी की रस्म अदायगी की गई। माता-पिता और तीनों बहनों ने इकलौते भाई की सभी रस्मों को पूरा किया। इसके बाद नगर के एक स्थल पर फेरे किए जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वहीं, दुल्हन के परिजन भी दुल्हन को लेकर जल्द ही उसी स्थल पर पहुंचने की बात कर रहे थे। दूल्हा भी खुशी-खुशी तैयार होकर उसी स्थल पर पहुंच गया। मगर देर रात तक दुल्हन या उसके परिजन फेरों के लिए नहीं पहुंचे।दूल्हा पक्ष को इसकी चिंता हुई तो उन्होंने दुल्हन पक्ष से फोन के माध्यम से संपर्क साधा। मगर दुल्हन पक्ष ने एक भी फोन रिसीव नहीं किया। बल्कि देर रात जाकर उन्होंने अपना फोन बंद कर लिया। जिससे दूल्हा पक्ष को दुल्हन पक्ष द्वारा किए गए छल का आभास हो गया। फेरों के लिए निकले दूल्हा ने पगड़ी फेंककर हंगामा भी किया। मगर लोकलाज के डर से मामले को शांत कर दिया गया। उधर, मोहल्ले में इस अजब-गजब विवाह की चर्चा आम हो गई।

जरा सी बात पर गुस्से से बेकाबू हो गया पोल्ट्री फार्म मालिक, पिस्टल निकाली और ड्राइवर को मार दी गोली

एक पोल्ट्री फार्म मालिक ने अपने ही ड्राइवर को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। गोली कंधे के नीचे लगी है। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है। मनीष के भाई शिवम ने पुलिस को तहरीर दी।

गोरखपुर. गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप के पास कैथवलिया मार्ग पर बेलवा में शनिवार की दोपहर एक पोल्ट्री फार्म मालिक ने अपने ही ड्राइवर को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। गोली कंधे के नीचे लगी है। गंभीर हाल में उसे मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया है। मनीष के भाई शिवम ने एम्स पुलिस को तहरीर दी है। एसपी सिटी केके बिश्नोई ने बताया कि पिस्टल के साथ आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।एम्स थाना क्षेत्र के भटगांवा निवासी 34 वर्षीय मनीष सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह इसी थाना क्षेत्र के रामूडीहा निवासी गुड्डू उर्फ अमृतनाथ सिंह पुत्र दीप नारायण सिंह का दस वर्षों से ड्राइवर है। बताया जा रहा है कि मनीष सिंह का देवरिया जिले के भटनी की एक आर्केस्ट्रा डांसर से छह वर्षों से अवैध संबंध है। डांसर के तीन बच्चे और मनीष की उसकी पत्नी किरन से दो बेटियां हैं। पति के अवैध संबंध से किरन और मनीष में आए दिन विवाद हो रहा था।क्षेत्र के सोनबरसा और जगदीशपुर के बीच फोरलेन पर स्थित पेट्रोल पंप के पास गुड्डू का मुर्गी फार्म है।

शनिवार की सुबह मनीष, उसका भाई शिवम, उसका साला कुशीनगर के भलुही निवासी संदेश सिंह और गुड्डू सिंह मुर्गी फार्म पर पत्नी का विवाद सुलझा रहे थे। इसी बीच मनीष का उसके मालिक गुड्डू सिंह के बीच कहासुनी हो गई। इस पर गुड्डू सिंह ने गाली देते हुए दो चार थप्पड़ जड़ दिए। इसका विरोध करने पर गुड्डू सिंह ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल मनीष के सिर पर लगा दी और उसके दाएं तरफ कंधे के नीचे सीने में गोली मार दी। गोली चलने से वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची एम्स पुलिस ने घायल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया।

नाराज मनीष ने बोल दिया था अपशब्द

मनीष को सही रास्ते पर लाने के लिए उसकी पत्नी व अन्य ने मुर्गी फार्म पर ही पंचायत रखी थी। मनीष पंचायत में नहीं जाना चाहता था। गुड्डू सिंह उसे डांट-डपट कर पंचायत में ले जा रहे थे तो मनीष ने गुड्डू से हाथापाई करते हुए उसे धक्का दे दिया। गुस्से से आगबबूला मालिक ने लाइसेंसी पिस्टल से उसे गोली मार दी।सूचना पर सीओ कैंट अंशिका वर्मा व प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे।

मेडिकल कॉलेज में घायल चालक का बयान भी दर्ज किया है। घायल के भाई शिवम ने तहरीर देकर गुड्डू सिंह उर्फ अमृतनाथ सिंह पर जान से मारने से मारने के इरादे से गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं डॉक्टरों के मुताबिक मनीष की हालत स्थिर है।

डेढ़-डेढ़ लाख लेकर युवाओं को ओमान भेजा फिर कमरे में बंधक बना की वसूली, नौकरी के नाम बड़ा धोखा

गोरखपुर. विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर गोरखपुर क्षेत्र के 40 युवाओं के साथ लाखों की जालसाजी हो गई। सभी पीड़ितों से पहले डेढ़-डेढ़ लाख रुपये लेकर जालसाजों ने ओमान भेजा और वहां एक कमरे में बंधक बनाकर उनसे दोबारा 90-90 हजार रुपये की वसूली की।

अब भी वहां आठ युवा फंसे हुए हैं, जिनके परिवारीजन परेशान हैं। ओमान में फंसे युवाओं के साथ कुशीनगर के करीब दस पीड़ित युवकों ने मुख्यमंत्री को डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजकर गुहार लगाई है।

गोरखपुर एसएसपी और कुशीनगर के एसपी दफ्तर में भी प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।पीलीभीत के माधोटांडा थाना क्षेत्र के तुलसीपुर के रहने वाले एक युवक से कुशीनगर के पदरी निवासी युवक ने मुलाकात कराई। दोनों ने बताया कि ओमान में एक नया होटल खुल रहा है, उसमें नौकरी करनी है तो वह लगवा सकता है। गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के करीब 40 युवा ओमान जाने के लिए तैयार हो गए। जालसाजों ने सभी से डेढ़ लाख के हिसाब से 60 लाख रुपये विदेश में नौकरी के नाम पर जमा कराए। उसके बाद सभी को ओमान पहुंचा दिया।

पीड़ितों को छोड़कर चले आए जालसाज

इन दोनों ने युवाओं को वहां एक कमरे में रखवा दिया। खाना खाने तक की व्यवस्था नहीं की और कुछ दिन बाद उन्हें छोड़कर वहां से चले गए। पीड़ित जब भी फोन करते तो दोनों बहाने बनाते और कहते कि आज आएंगे, कल आएंगे। कुछ दिनों तक सभी भूखे रहे और अपने अपने घर से पैसे मंगाकर खाने की व्यवस्था की। इसके बाद होटल खुलने में थोड़ा समय लगने की बात कहते हुए जालसाज ने कहा कि वे भारत लौट आए हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी है तो सीख लीजिए सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। अभी लॉकडाउन का समय चल रहा है, ऐसे समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं–

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें–

दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नम:' मंत्र के द्वारा करें।

श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।

तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।

इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।

श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।

श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।

इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।

यह स्थिति – पांचवीं स्थिति के समान
यह स्थिति – चौथी स्थिति के समान
यह स्थिति– तीसरी स्थिति के समान
यह स्थिति – दूसरी स्थिति के समान
यह स्थिति – पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है।

सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे –

मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।

अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।

दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।

गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।

निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।

मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।

दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।

शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।

चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।

रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात :काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।

ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।

महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

एंटीबायोटिक – हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।

औषधियां – जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।

नींद – पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।

शुगर – शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।

धूप है जरूरी – त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।

जिंक – जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।

पत्तेदार सब्जियां – पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।

अश्विन ने दिया अजीब बयान, बोले- कल मैं भले ही जीवित ना रहूं, लेकिन मेरी आत्मा इसी जगह घूमेगी

नई दिल्ली.एजेंसी

रविचंद्रन अश्विन आईपीएल में लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले हैं, जबकि चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम से उनका प्यार अलग लेवल का है। वे तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन यानी टीएनसीए के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और इस राज्य की ज्यादातर क्रिकेट इसी मैदान पर होती है। यहां तक कि तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की टी20 लीग भी इसी स्टेडियम में खेली जाती है और अश्विन जब भी नेशनल ड्यूटी से फ्री होते हैं तो वे अपने राज्य के लिए हर तरह की क्रिकेट खेलते नजर आते हैं।

इसी संघ ने अश्विन को 500 टेस्ट विकेट और 100 टेस्ट पूरे करने पर सम्मानित किया तो उन्होंने कहा कि मेरे मरने के बाद मेरी आत्मा यहां घूमेगी। तमिलनाडु और उसकी क्लब क्रिकेट के प्रति अश्विन की प्रतिबद्धता ऐसी है कि आज तक वह राष्ट्रीय ड्यूटी पर नहीं होने पर भी घरेलू आयोजनों के लिए खुद को उपलब्ध रखते हैं। उन्होंने कहा, इस जगह ने मुझे इतना कुछ दिया है कि मैं बार-बार यहां आना चाहता हूं। लोग पूछते रहते हैं कि आप वापस क्यों जाना चाहते हैं? अश्विन ने आगे कहा, कल मैं भले ही जीवित न रहूं, लेकिन मेरी आत्मा इसी जगह पर घूम रही होगी। मेरे लिए इस जगह का यही मतलब है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम को लेकर अश्विन ने कहा, मैं आम तौर पर यह व्यक्त करने के लिए शब्दों की तलाश नहीं करता कि मैं कैसा महसूस करता हूं। मैं यहां आकर वास्तव में विनम्र और आभारी रहता हूं। अश्विन ने आगे अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ को लेकर कहा, अनिल भाई और राहुल (द्रविड़) भाई ने संक्षेप में कहा कि मुझसे बहस में जीतना बहुत कठिन है। यह सच है, क्योंकि मेरा मानना है कि तर्क उत्कृष्टता के सबसे महान मार्गों में से एक है। वाद-विवाद कभी भी व्यक्ति के साथ नहीं होता। यह हमेशा सच्ची सीख के साथ होता है जो इसके अंत में आती है।

18 मार्च से मिलेंगे चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर मैच के ऑनलाइन टिकट, जानिए कितना महंगा है टिकट

नई दिल्ली.एजेंसी

आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। इस मैच के लिए ऑनलाइन टिकट सोमवार (18 मार्च) से शुरू होगा। एमएस धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स टीम 22 मार्च (शुक्रवार) को अपने पहले मुकाबले में चेन्नई में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का सामना करेगी। चेन्नई सुपर किंग्स ने टिकटों की बिक्री पर एक ऑनलाइन एडवाइजरी जारी की है।चेन्नई सुपर किंग्स के बयान के मुताबिक ऑनलाइट टिकट की प्रक्रिया 18 मार्च को सुबह 930 बजे पेटीएम और इनसाइडर.इन के माध्यम से शुरू होगी। चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच होने वाले मुकाबले की ऑनलाइन टिकट का सबसे कम प्राइस 1700 रुपये हैं, जबकि सबसे महंगा टिकट 7500 का है। ऑनलाइन टिकट खरीदने पर एक व्यक्ति को सिर्फ दो टिकट मिलेंगे। पहले मैच में एंट्री गेट शाम 430 पर खुलेगा। बाहर से खाने की चीज अंदर नहीं ले जा सकेंगे और पानी पीने की व्यवस्था हर स्टैंड में मौजूद रहेगी।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट कोहली अभी तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं। हालांकि फैंस को उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। सीएसके ने 2022 में रविंद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी थी लेकिन लगातार हार के बाद उन्होंने बीच में कप्तानी छोड़ दी और धोनी फिर कप्तान बने। उसके बाद से धोनी ही कप्तान हैं और उन्होंने 2023 में सीएसके को पांचवां खिताब दिलाया।

आयरलैंड के खिलाड़ी ने रचा इतिहास, विराट कोहली-रोहित शर्मा और बाबर आजम से पहले T20I में किया ये कमाल

नई दिल्ली.आयरलैंड T20I टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में इतिहास रच दिया है। वह T20I क्रिकेट में 400 चौके मारने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। जी हां, उनसे पहले यह कारनामा कोई खिलाड़ी नहीं कर पाया है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और बाबर आजम जैसे दिग्गज भी इस लिस्ट में उनसे पीछे हैं। पॉल स्टर्लिंग यह उपलब्धि अफगानिस्तान के खिलाफ पहले T20I के दौरान हासिल की। स्टर्लिंग ने इस मैच में 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 25 रनों की पारी खेली थी। इन दो चौकों के साथ उनके नाम T20I क्रिकेट में 401 के चौके हो गए हैं।

बात विराट कोहली, रोहित शर्मा और बाबर आजम जैसे दिग्गजों की करें तो, T20I में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले टॉप-5 में ये तीनों खिलाड़ी हैं। बाबर आजम 395 चौकों के साथ इस सूची में दूसरे पायदान पर हैं, वहीं विराट कोहली 361 चौकों के साथ तीसरे और रोहित शर्मा 359 चौकों के साथ चौथे पायदान पर हैं। इस लिस्ट में पांचवे और आखिरी नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर हैं जिन्होंने अपने T20I करियर में 320 चौके लगाए थ।न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल और ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच दो और ऐसे इंटरनेशनल क्रिकेटर हैं जिनका नाम उन खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल है जो इस फॉर्मेट में 300 से अधिक चौके लगा चुके हैं। इन दोनों के नाम T20I में 309 चौके हैं।

बात आयरलैंड वर्सेस अफगानिस्तान पहले T20I की बात करें तो, आइरिश टीम ने इस मैच में अफगानियों को 38 रनों से धूल चटाई। आयरलैंड की यह अफगानिस्तान पर कुल 7वीं जीत है।इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए आइरिश टीम ने 149 रन बोर्ड पर लगाए थे, इस स्कोर का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की पूरी टीम 111 रनों पर ही ढेर हो गई थी। अफगानिस्तान के लिए इस दौरान कोई भी बल्लेबाज 40 रन का आंकड़ा तक नहीं छू पाया। विकेट कीपर मोहम्मद इशाक ने 32 रनों की सर्वाधिक पारी खेली। वहीं बेंजामिन व्हाइट ने 4 विकेट चटकाकर आयरलैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनको इस परफॉर्मेंस के चलते प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया।

मुंबई इंडियंस को लगा बड़ा झटका, IPL 2024 के पहले कुछ मैच मिस करेगा ये तेज गेंदबाज

नई दिल्ली.एजेंसी आईपीएल 2024 से ठीक पहले मुंबई इंडियंस को एक बड़ा झटका है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2024 की शुरुआत में एक तेज गेंदबाज का साथ नहीं मिलेगा। ये तेज गेंदबाज कोई और नहीं, बल्कि आईपीएल 2024 ऑक्शन में 4.6 करोड़ रुपये में खरीदे गए श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका हैं।

बाएं हाथ के इस पेसर को बांग्लादेश के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले से बाहर होना पड़ा है। दिलशान मधुशंका हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण तीसरे वनडे इंटरनेशनल मैच से बाहर हो गए है। इसी के साथ इस बात की पुष्टि की जा सकती है कि वे आईपीएल 2024 के पहले कुछ मैच मिस कर सकते हैं।

हैमस्ट्रिंग इंजरी को ठीक होने में कम से कम 2 से तीन सप्ताह का समय लग जाता है। यही कारण है कि मुंबई इंडियंस के लिए ये बड़ा झटका है। मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला इस सीजन में रविवार 24 मार्च को और दूसरा मुकाबला 27 मार्च को है।

PCB का ऐलान, फरवरी में पाकिस्तान में खेली जाएगी ICC चैंपियंस ट्रॉफी; क्या भारत है तैयार?

नई दिल्ली.एजेंसी

PCB ने ऐलान किया है कि फरवरी 2025 में पाकिस्तान में ICC चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा, लेकिन क्या BCCI वहां अपनी टीम भेजने के लिए तैयार है? ये एक बड़ा सवाल सभी के सामने है।

पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसक खुश हो सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पुष्टि की है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी 2025 में पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। हालांकि, अभी भी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं।

इसके अलावा इस टूर्नामेंट को शिफ्ट किए जाने या फिर हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित किए जाने पर भी विचार संभाव है। पीसीबी के नए चेयरमैन मोहसिन नकवी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया है कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में आयोजित होगी। उन्होंने लिखा, मैंने दुबई में आईसीसी मीटिंग में भाग लिया। इंशाअल्लाह चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी 2025 में पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी।

पीसीबी चेयरमैन का ये ऐला उन तमाम अफवाहों को फिलहाल समाप्त करता हुआ नजर आ रहा है, जिसमें कहा जा रहा था कि टूर्नामेंट को कहीं और आयोजित करना पड़ सकता है।

IPL 2024 के लिए भारत लौटे विराट कोहली, दो महीने तक इस वजह से थे लंदन में

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली भारत लौट आए हैं। वे करीब दो महीने तक लंदन में थे। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले विराट कोहली अपनी पत्नी के साथ लंदन गए थे, क्योंकि उनकी पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट थीं। वे अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली थीं। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ कॉम्प्लीकेशन्स हो गए थे, जिसके कारण उनको टेस्ट सीरीज छोड़कर अपनी पत्नी के साथ लंदन जाना पड़ा था। फरवरी के दूसरे सप्ताह में उनको बेटा हुआ। हालांकि, अब विराट कोहली अकेले भारत लौटे हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर यानी आरसीबी के लिए खेलने भारत लौट आए हैं। उनकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिनमें विराट कोहली अकेले भारत लौटे हैं। पत्नी, बेटी और बेटा अभी भी शायद लंदन में ही या फिर किसी अन्य जगह पर हो सकते हैं।

विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भाग नहीं ले पाए थे। वे पहले दो मैचों के लिए टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज के पहले दो मैचों से उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था और अगले 3 मैचों के लिए वे उपलब्ध नहीं थे। हालांकि, विराट कोहली और आरसीबी के फैंस के लिए अच्छी खबर ये है कि वे आरसीबी के लिए पूरा सीजन आईपीएल खेलते नजर आएंगे। आरसीबी का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 मार्च को है और विराट कोहली उसी की तैयारी के लिए जल्द बेंगलुरु पहुंचेंगे और वहां वे आरसीबी के कैंप में जुड़ेंगे। जल्द ही टीम अपने पहले मैच के लिए चेन्नई पहुंचेगी। आरसीबी की बात करें तो कभी भी टीम ने खिताब नहीं जीता है, लेकिन कप्तान फाफ डुप्लेसिस चाहेंगे कि इस बार आईपीएल का खिताब जीतकर सभी की बोलती बंद करने का काम किया जाए।

IPL 2024 के आयोजन को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह का बड़ा ऐलान, बोले- भारत में...

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस साल देश में होने वाले लोकसभा चुनावों के चलते आईपीएल 2024 के आधे शेड्यूल का ही ऐलान किया है। बीसीसीआई की नजरें लोकसभा चुनावों की तारीखों के अनाउंसमेंट पर थी, ताकि वह देश में ही आईपीएल के 17वें सीजन का आयोजन कर सके। हालांकि इस बीच कुछ रिपोर्ट्स सामने आई थी जिसमें कहा गया था कि आईपीएल 2024 के आधे सीजन का आयोजन यूएई में हो सकता है, मगर जैसे ही शनिवार 17 मार्च को लोकसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हुआ तो बीसीसीआई ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया। जय शाह ने यह कन्फर्म कर दिया कि इस साल भी आईपीएल के पूरे सीजन का आयोजन भारत में ही होगा।

यह दूसरा मौका है जब बीसीसीआई लोकसभा चुनावों के बीच आईपीएल के पूरे सीजन का आयोजन देश में ही करेगा। 2019 में इससे पहले बोर्ड ने ऐसे किया था। वहीं 2014 में आधा सीजन भारत में तो आधा सीजन यूएई में हुआ था और 2009 में यह लीग साउथ अफ्रीका में खेली गई थी।जय शाह ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, पूरा आईपीएल भारत में ही होगा। बीसीसीआई पूरे शेड्यूल पर काम कर रहा है और जल्द ही इसे सार्वजनिक करेगा।बता दें, लोकसभा चुनाव सात चरणों में होंगे, जो 19 अप्रैल से शुरू होंगे और वोटों की गिनती 4 जून को होगी। बीसीसीआई को 2019 के आम चुनाव के दौरान भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था लेकिन बोर्ड ने सफलतापूर्वक आईपीएल भारत में आयोजित किया गया था।आईपीएल 2024 के अभी तक 21 मैचों के ही शेड्यूल का ऐलान हुआ है।

बाबर आजम की टीम हुई PSL 2024 से बाहर, इन दो टीमों के बीच खेला जाएगा फाइनल

इस्लामाबाद यूनाइटेड ने पीएसएल 2024 के दूसरे एलिमिनेटर में पेशावर जाल्मी को 5 विकेट से रौंदते हुए फाइनल में जगह बनाई। खिताब जंग में उनका सामना मुल्तान सुल्तान से होगा।

नई दिल्ली.एजेंसी

पेशावर जाल्मी और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच शनिवार 16 मार्च की शाम पीएसएल 2024 का दूसरा एलिमिनेटर मुकाबला खेला गया, इस मैच में इस्लामाबाद ने बाबर आजम की टीम को चित करते हुए फाइनल में जगह बनाई।

इसी के साथ पाकिस्तान सुपर लीग 2024 की दोनों फाइनलिस्ट टीमों की तस्वीर साफ हो गई है। 18 मार्च को पीएसएल 2024 का फाइनल मुकाबला मुल्तान सुल्तान और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच खेला जाना है। इन दोनों ही टीमों ने पेशावर जाल्मी को धूल चटाते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है।

बात पेशावर जाल्मी वर्सेस इस्लामाबाद यूनाइटेड एलिमिनेटर 2 की करें तो मैच के 40 में से 31 ओवर तक पेशावर जाल्मी ने मैच पर अपनी पकड़ बनाई हुई थी, मगर तब हैदर अली और इमाद वसीम के बीच ऐसी पार्टनरशिप हुई की पेशावर जाल्मी के परखच्चे उड़ गए। दोनों ने 98 रनों की धुआंधार साझेदारी कर पेशावर को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया।टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी पेशावर जाल्मी की टीम ने सईम अय्यूब (73) के अर्धशतक की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 185 रन बोर्ड पर लगाए थे। कप्तान बाबर आजम (25) के साथ सईम की ओपनिंग पार्टनरशिप 72 रनों की हुई थी, वहीं इसके बाद मोहम्मद हारिस ने भी 40 रनों की पारी खेली थी।

186 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी इस्लामाबाद यूनाइटेड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने पावरप्ले में 50 के स्कोर पर 4 विकेट खो दिए थे, वहीं 11वें ओवर तक 91 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई थी।

उस समय तक मैच पर पूरी पकड़ पेशावर की थी।मगर इसके बाद इमाद वसीम (40 गेंदें 59 रन) ने हैदर अली (29 गेंदें 52 रन) के साथ मिलकर 98 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को 5 विकेट और 6 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। हैदर अली ने इस दौरान जो पावर हिटिंग की उसने क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया।

मोहम्मद कैफ का वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की पिच को लेकर बड़ा खुलासा, रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ को ठहराया हार का जिम्मेदार!

मोहम्मद कैफ का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास वर्ल्ड कप में पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाज थे जिस वजह से टीम इंडिया ने पिच को स्लो बनाया और यही गलती भारत पर भारी पड़ गई।

नई दिल्ली.एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की पिच को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ पर खिताबी मुकाबला हारने का ठीकरा फोड़ा है। कैफ का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास वर्ल्ड कप में पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाज थे, जिस वजह से टीम इंडिया ने पिच को स्लो बनाया और यही गलती भारत पर भारी पड़ गई। बता दें, वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में भारतीय टीम रेड हॉट फॉर्म में चल रही थी। फाइनल से पहले टीम इंडिया ने सभी मुकाबले जीते थे, मगर खिताबी जंग में कंगारुओं ने उन्हें टूर्नामेंट की पहली और सबसे बड़ी हार का सामना करवाया।

मोहम्मद कैफ ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की पिच को लेकर कहा, मैं वहां तीन दिन था, हमने काफी सारे लाइव शो किए वहां से...रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ दोनों शाम को आए, पिच पर घूमा, कैसी पिच है...आधा घंटा वहां खड़े हैं, एक घंटा वहां खड़े हैं। एक दिन वहां हो गया। दूसरे दिन फिर आए घूम रहे हैं...वहीं अपडाउन कर रहे हैं...एक घंटा वहां बातचीत कर रहे हैं...कैसे क्या है..ये तीन दिन लगातार हुआ है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने पिच का रंग बदलते हुए देखा है...मैं ये जो नीला पहनकर आया हूं ना वो तीन दिन बाद पीला दिखेगा...ऐसा कलर चेंज होते हुए देखा है मैंने....कोई पानी नहीं, कोई घास नहीं...उनको धीमा पिच दो भाई...ये सच्ची बात है चाहे लोग ना मानें...मैं एक कमेंटेटर के रूप में बोल रहा हूं। कमिंस है..स्टार्क है उनके पास तेज गेंदबाजी है तो इनको ना स्लो पिच दो और वहां गलती हुई, 100 प्रतिशत।मोहम्मद कैफ ने इसी के साथ रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ पर आरोप लगाए कि उन्होंने होम एडवांटेज उठाने के चक्कर में पिच को इतना धीमा करवा दिया कि वो दांव भारत पर ही भारी पड़ गया। कैफ ने साथ ही यह भी कहा कि अगर भारत फ्लैट पिच पर खेलता तो 100 प्रतिशत मैच जीतता।पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, चाहे लोग कितना भी बोले...क्यूरेटर अपना काम करता है...हम कुछ नहीं बोलते...बकवास है। जब आप वहां टहल रहे हो तो 100 प्रतिशत आप बात करते हो...यार घास कम कर दे...पानी कम डालना...दो लाइन ही तो बोलनी है। ये होता है, सच्ची बात है और करना भी चाहिए। घर में मैच खेल रहे हो, एडवांटेज लो। लेकिन मुझे लगता है कि एडवांटेज के चक्कर में वो ज्यादा कर गए और धीमा पिच मिला। अगर नॉर्मल पिच होती तो ...मोहम्मद शमी जो फॉर्म में थे...आप नाम लो ना...बुमराह, जडेजा, कुलदीप...भाई तूफानी गेंदबाजी। नॉर्मल फ्लैट विकेट पर खेलते 100 प्रतिशत भारत वो मैच जीता। रन भी बनते और हम वो डिफेंड भी करते। हम विकेट पर डॉक्टरी के चक्कर में फंस गए।

सुहाना खान

की बेस्ट फ्रेंड के साथ Aryan Khan ने जमकर लगाए ठहाके, पहली बार दिखा शाह रुख खान के बेटे का ये अंदाज

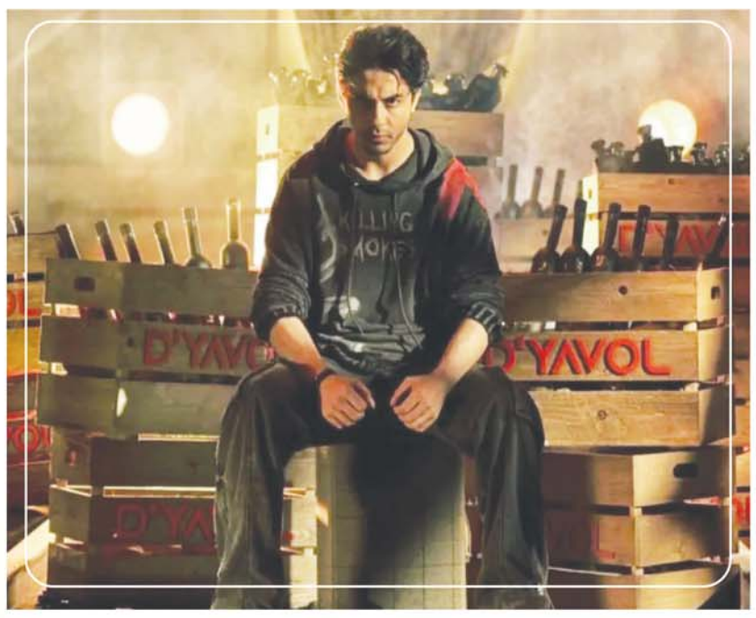

बॉलीवुड सुपरस्टार आर्यन खान (Aryan Khan) को लेकर लोगों में दीवानगी कम नहीं है। वह अपने डैड शाह रुख खान (Shah Rukh Khan) की तरह ही पब्लिसिटी एन्जॉय करते हैं। आर्यन के फोटो और वीडियो जितने पसंद किए जाते हैं, उतना ही लोगों को उनकी स्माइल देखने का भी इंतजार रहता है।आर्यन खान को शायद ही कभी किसी ने हंसते हुए देखा हो। किसी भी पार्टी से, एयरपोर्ट से या पब्लिक हैंगआउट से आर्यन की जितनी भी फोटो और वीडियो सामने आई है, उनकी स्माइल देखने के लिए फैंस तरस गए हैं। मगर अब उनकी ये मुराद भी पूरी हो गई है। आर्यन का नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह न सिर्फ हंस रहे हैं, बल्कि एक ऐसी लड़की के साथ बैठे नजर आ रहे हैं, जो सुहाना खान (Suhana Khan) की अच्छी दोस्त हैं।

इस लड़की के साथ नजर आए आर्यन खान

वर्ल्ड कप (World Cup) फाइनल मैच से आर्यन का एक वीडियो सुर्खियां बटोर रहा है। इसकी वजह उनकी स्माइल के साथ-साथ उनका एक ऐसे शख्स के साथ होना है, जिसकी यूजर्स को शायद ही उम्मीद रही हो। आर्यन न सिर्फ इनके साथ बैठ बांते करते दिखे, बल्कि दिल खोलकर हंसने से भी गुरेज नहीं किया।

ये लड़की कोई और नहीं, बल्कि एक्ट्रेस शनाया कपूरहैं। शनाया, सुहाना और आर्यन के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। दोनों की बॉन्डिंग देख लगता है कि इनकी दोस्ती काफी गहरी और पुरानी है। आर्यन को पहली बार पब्लिकली खुलकर इतना हंसते हुए देखा गया है।

अनन्या पांडे के साथ बिगड़ी थी बात

आर्यन, शनाया के साथ जैसी बॉन्डिंग शेयर करते हैं, वैसी शायद अनन्या पांडे के साथ नहीं करते। अनन्या ने कॉफी विद करण के एक एपिसोड में आर्यन को अपना अच्छा दोस्त और उस पर क्रश होने की बात कही थी। इसके बाद से किसी भी पार्टी में आर्यन को अनन्या को इग्नोर करते ही देखा गया है। जबकि अनन्या का खान फैमिली के साथ काफी स्वीट बॉन्ड है।

ईशा अंबानी

की होली पार्टी में छा गया Priyanka Chopra का लुक, शिल्पा शेट्टी-राधिका मर्चेंट ने भी जमाया रंग

रंगों का त्योहार होली (Holi 2024) आने वाला है। आम लोगों के साथ ही सितारों में भी अभी से इस फेस्टिवल को सेलिब्रेट करने की उत्सुकता देखने को मिल रही है। यही वो टाइम भी होता है, जब बी टाउन के सितारे एक से बढ़कर एक लैविश ड्रेस पहन हाई प्रोफाइल पार्टी अटेंड करते हैं। इसकी शुरुआत हो चुकी है।अंबानी परिवार की लाडली ईशा अंबानी (Isha Ambani) ने होली से पहले एक पार्टी रखी, जिसमें बॉलीवुड के कई दिग्गज शामिल हुए। इस पार्टी में विदेश में रहने वालीं प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) भी हाजिर हुईं, जिन्होंने जामनगर में अनंत-राधिका की प्री वेडिंग सेरेमनी मिस कर दी थी। सितारों से सजी इस शाम की कुछ रंगीन झलकियां सामने आई हैं।

इन सेलिब्रिटीज ने अटेंड की पार्टी

ईशा अंबानी की अर्बन पार्टी में शिल्पा शेट्टी, औरी, अथिया शेट्टी, माधुरी दीक्षित सहित कई सेलेब्स ने शिरकत की। इन सबमें सबसे ज्यादा चर्चा विदेश से आईं देसी बाला प्रियंका चोपड़ा और सुखी एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की रही। प्रियंका ने पिंक कलर की बैकलेस और स्लीवलेस मॉर्डन साड़ी में अपने देसीपन को बनाए रखते हुए ग्लैमर का जलवा बिखेरा।

इसके अलावा धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने पिंक कलर को कोट-पैंट को अपना स्टाइल स्टेटमेंट बनाया। एक्ट्रेस ने अपने बालों को खुला रखा और सटल मेकअप किया।

पार्टी में आए ये सितारे भी

इस पार्टी में अथिया शेट्टी, आयुष्मान खुराना, ईशा गुप्ता के अलावा नामी पर्सनालिटीज में अंबानी परिवार की होने वाली छोटी बहू राधिका मर्चेंट भी पहुंचीं।

राधिका ने क्रीम कलर के ऑफशोल्डर इवनिंग गाउन में पार्टी में शिरकत की। उनका लुक औरों के कम्पैरिजन में सिंपल लेकिन एलिगेंट नजर आया।

'क्रू' का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज, एयर होस्टेस बन खेल करेंगी करीना, तब्बू और कृति?

'क्रू' फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है. कुछ समय पहले फिल्म का पोस्टर और टीजर रिलीज किया गया था, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट कई गुना बढ़ा दी थी. इस फिल्म में तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन की तिकड़ी पहली बार नजर आने वाली है. इसी बीच इस फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च हो चुका है. ट्रेलर में तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन के साथ दिलजीत दोसांझ की दमदार झलक भी देखने मिली.ट्रेलर के शुरुआत में एक ऑफिसर कहती हैं सोना कहां है? बस इस डायलॉग के बाद से करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की एक उथल-पुथल वाली जर्नी की शुरुआत हो जाती है. इसमें कोहिनूर नाम की एक एयरलाइन कंपनी है, जिसके इर्द-गिर्द पिक्चर की कहानी घूमती है.

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि एक पॉइंट पर तब्बू को इस बात का अंदाजा लग जाता है कि जिस कंपनी के लिए वो काम कर रही है वो असल में दिवालिया हो चुकी है. तीनों के जीवन में अपने-अपने संघर्ष हैं. इसी बीच उसकी मुलाकात एक ऐसे यात्री से होती है जो मर चुका है और उसके पास सोने के बिस्कुट हैं. यहां से कहानी में एक ट्विस्ट आता है. जहां अपने सपने को पूरा करने के लिए वो इस सोने को चुराने का फैसला करती हैं. इसमें कस्टम ऑफिसर के तौर पर दिलजीत दोसांझ की एंट्री के बाद कहानी में एक नाया मोड़ आता है. क्या इस चोरी से बच पाएंगी तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन? ये तो फिल्म आने के बाद ही पता चलेगा.'क्रू' के ट्रेलर को देखरकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये तिकड़ी सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाली है. फिल्म में तीनों एयर होस्टेस के रोल में नजर आने वाली हैं. ट्रेलर से एक बात तो साफ हो गई है कि इस फिल्म में तीनों स्टार्स की दमदार एक्टिंग के साथ-साथ धमाकेदार कॉमिक टाइमिंग भी देखने को मिलने वाली है. ये फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है.

राजनीति में कदम रखने वाले हैं रणदीप हुड्डा? खुद एक्टर ने बताई सच्चाई

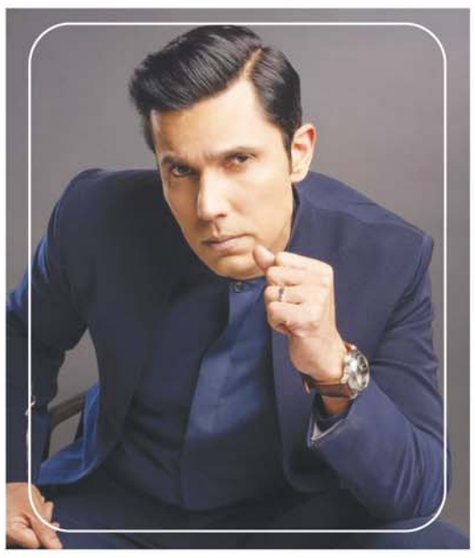

अभिनेता रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में वह सावरकर की भूमिका निभाते हुए दिखाई देने वाले हैं। इस मूवी के साथ-साथ काफी समय से यह खबरें भी आ रही थी कि एक्टर जल्द राजनीति में भी एंट्री मार सकते हैं। हालांकि, अब इन सब खबरों पर खुद रणदीप हुड्डा ने चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि पॉलिटिक्स में एंट्री को लेकर उनका क्या प्लान है।

सीरियस करियर है पॉलिटिक्स

हाल ही में पीटीआई से बात करते हुए रणदीप हुड्डा ने कहा, फिल्म मेकिंग और एक्टिंग की तरह ही पॉलिटिक्स भी एक सीरियस करियर है। मैं अपने अभिनय के प्रति बहुत ज्यादा ईमानदार रहा हूं और पूरे दिल से मैंने अभिनय किया है। अगर मुझे राजनीति में शामिल होना पड़ा, तो मैं उसे फुलटाइम जॉब की तरह करूंगा।मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, जो एक ही समय में कई काम कर सकूं। फिलहाल, एक अभिनेता के रूप में मेरे पास करने के लिए कई फिल्में हैं। इसके अलावा बतौर निर्देशक भी मेरा करियर अभी नया है और इसमें मुझे मजा आ रहा है।

भविष्य के बारे में नहीं पता

रणदीप हुड्डा ने आगे कहा कि अपना फिल्मी करियर छोड़कर राजनीति में आने का अभी सही समय नहीं है, क्योंकि इससे मैं आधा-अधूरा रह जाऊंगा, जो मुझे उत्साहित नहीं करेगा। मुझे सफाई अभियानों से जुड़ना, पर्यावरण के लिए काम करना पसंद है।

इनमें मेरी शुरू से ही दिलचस्पी रही है। हालांकि, भविष्य के बारे में आपको कुछ नहीं पता होता।बता दें कि रणदीप हुड्डा की फिल्म आने वाली 22 मार्च को हिंदी और मराठी में रिलीज होने वाली है। इसमें उनके साथ अंकिता लोखंडे भी दिखाई देंगी। इस मूवी का निर्देशन भी रणदीप ने ही किया है और बतौर डायरेक्टर इससे वह डेब्यू कर रहे हैं। साथ ही वह फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं।